▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 258 ▸▸मुंबई, मंगलवार, 25 नवंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

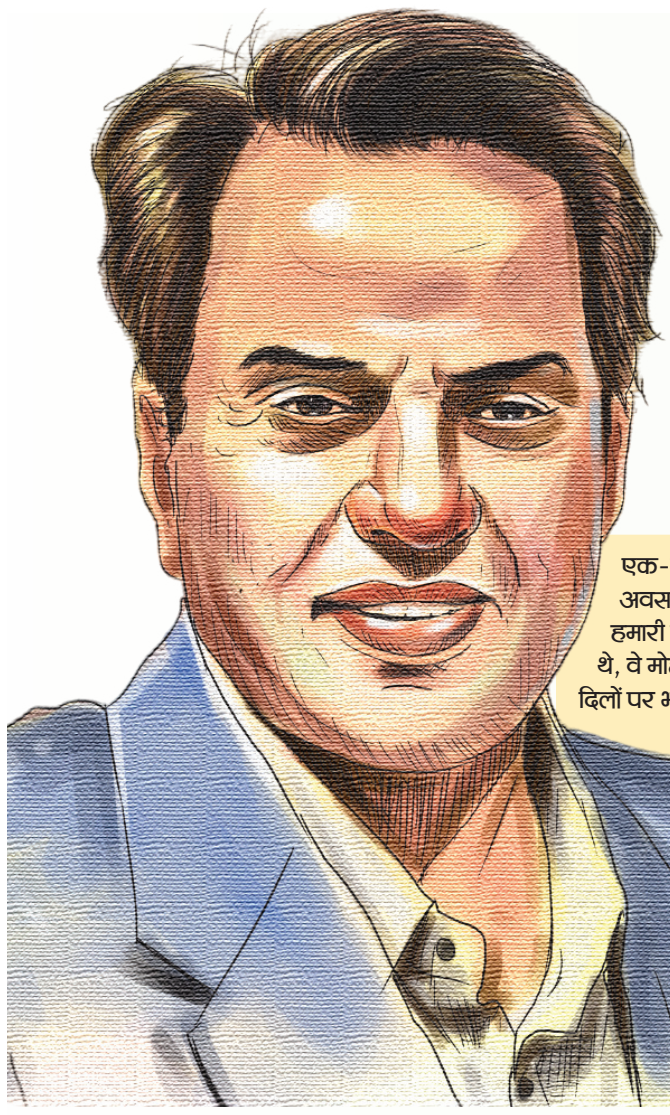

एक-एक करके वो सारे लोग जा रहे हैं जो हमारे बचपन के हीरो हुआ करते थे। धर्मेन्द्र के रूप में एक और हीरो का अवसान हो गया। धर्मेंद्र का जाना सिर्फ एक अभिनेता का जाना नहीं है। यह हमारे बचपन की यादों का टूट जाना है। हमारी फिल्मों के उस दौर का बुझ जाना है, जहां सादगी और शराफत पर्दे पर भी सांस लेती थी। वे सिर्फ ही मैन नहीं थे, वे मोहब्बत की मुस्कान थे.... गांव की मिट्टी की खुशबू थे। ये वो नाम हैं, जिन्होंने रजत पट के साथ-साथ लोगों के दिलों पर भी लंबे समय तक राज किया। अब तकनीक और सोशल मीडिया के दौर में उस वक्त फिल्मों और फिल्मी हीरो को लेकर लोगों में छाई रहने वाली दीवानगी का नई पीढ़ी का शायद अंदाजा भी नहीं होगा। पर्दे का एक पूरा युग खामोश हो गया है। वक्त चाहे कितना ही बदल जाए, लेकिन धर्मेन्द्र को फिल्मों के साथ साथ जिंदगी की रील में भी एक ठेठ देसी, जिंदादिल अभिनेता और नायाब इंसान के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। कुछ लोग जाते नहीं, लौट कर भी आते रहते हैं...बस यादों की शक्ल में ...

युगांत

मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन

▸▸विले पार्ले श्मशान घाट में किया गया अंतिम संस्कार

▸▸हैंडसम हीरो और 'ही मैन' के तौर पर मशहूर धर्मेंद्र ने पांच दशकों तक बॉलीवुड पर किया राज

अमित बृज । मुंबई

हर दिल अजीज मशहूर अभिनेता धर्मेन्द्र के इस फानी दुनिया से कूच कर जाने की खबर इस बार गलत साबित नहीं हुई। 15 दिन पहले भी ऐसी ही खबर उड़ी थी, लेकिन तब उनके परिवार ने पुष्टि नहीं की थी। धर्मेन्द्र को मिला वह जीवनदान अल्प साबित हुआ और सोमवार को इस 'वीरू' ने अपने चाहने वालों को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान भूमि में हुआ, जिसमें सलमान खान, संजय दत्त, अमिताभ बच्चन, आमिर खान समेत कई सेलेब्स पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन को एक युग का अंत कहा।

अवॉर्ड और सम्मान

- 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित
- 'घायल' के लिए नेशनल अवॉर्ड
- 1997 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

आनंद फ़िल्म के न मिलने का बहुत अफ़सोस रहा

ऋषिकेश मुखर्जी से भी उनके आत्मीय रिश्ते हुए फिल्म "अनुपमा", "मझली दीदी", और "सत्यकाम" के दौरान। इस दौर में धर्मेंद्र की इमेज रोमांटिक और गंभीर थी। फ़िल्म "आनंद" की कहानी ऋषिकेश मुखर्जी ने धर्मेंद्र को सुनाई थी और कहा था कि इस पर काम करेंगे। इसके बहुत समय बाद धर्मेंद्र ने जब सुना कि आनंद में राजेश खन्ना को लिया गया है तो उन्होंने एक रात नशे में ऋषिकेश मुखर्जी को फोन किया और पूछा कि आपने राजेश खन्ना को क्यों लिया? ऋषिकेश मुखर्जी ने कहा अभी फोन रखो सुबह बात करेंगे। लेकिन धर्मेंद्र उन्हें रात भर फोन करके बस यही एक सवाला पूछते रहे।

धर्मेंद्र को मिला ही-मैन का नाम

70 के दशक में उनकी वो छवि बनी जो आज तक चल रही है – ही मैन की छवि। हालाँकि फ़िल्म "फूल और पत्थर" में उन्होंने शर्टलेस दृश्य दिया था, और उनकी बॉडी देखकर दर्शक हैरान हुए थे। धर्मेंद्र की वो शर्टलेस तस्वीर देश और दुनियाभर के अखबारों और मैगजीन में खूब मशहूर हुई थी। इस एक तस्वीर ने धर्मेंद्र को सिर्फ देश में ही नहीं विदेशों में भी पहचान दिलाई। जिसके बाद उन्हें ही-मैन कहकर बुलाया जाने लगा। 60 के दशक में जहाँ उनकी पहचान बंदिनी, सत्यकाम, अनुपमा, अनपढ़, आई मिलन की बेला जैसी फ़िल्मों से थी तो 70 के दशक में मेरा गाँव मेरा देश, और गीता, जुगनू जैसी फ़िल्मों से।

"धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग के अंत का प्रतीक है। वे एक महान फिल्म हस्ती और अद्वितीय अभिनेता थे, जिन्होंने हर किरदार में जान डाल दी। जिस तरह उन्होंने अलग-अलग भूमिकाओं को निभाया, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छू लिया। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और आत्मीयता के लिए भी उतने ही प्रशंसित रहे। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ॐ शांति।

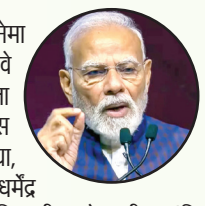

-नरेंद्र मोदी, पीएम

"महान अभिनेता धर्मेंद्र जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद। ये भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। सिनेमा में लगभग सात दशकों के उनके अद्वितीय योगदान को हमेशा सम्मान और मोहब्बत के साथ याद रखा जाएगा। उन्होंने आगे लिखा कि धर्मेंद्र जी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

-राहुल गांधी, विपक्ष के नेता

मीना कुमारी से बढ़ीं नज़दीकियाँ

60 के दशक में बंदिनी से लेकर सत्यकाम तक उन्होंने बेहतरीन गंभीर फ़िल्मों में काम किया। इसी दौरान उनकी नज़दीकियाँ मीना कुमारी से बढ़ीं। मीना कुमारी उनसे बहुत प्रभावित थीं और उन्हें अभिनय के गुर सिखाया करती थीं। वे ख़ुद उन्हें उनके दृश्यों का अभ्यास करवाती थीं, और उनकी कमियों को दूर करने करने में मदद करती थीं। शायद ये भी एक वजह रही कि धर्मेंद्र एक संतुलित अभिनेता रहे, चाहे जो भी किरदार उन्होंने निभाए हों। मीना कुमारी ने उनके करियर को आगे बढ़ाने में भी उनकी बहुत मदद की लेकिन जब दोनों के रोमैन्स के चर्चे फ़ैलने लगे तो धर्मेंद्र ने उनसे दूरी बना ली। नर्गिस ने एक बार लिखा था कि मीना कुमारी अगर किसी को जुनून की हद तक चाहती थीं तो वो धर्मेंद्र थे। और उन्होंने ही ये लिखा था कि जब धर्मेंद्र उनके जीवन से चले गए तो वे धीरे-धीरे मौत की तरफ़ बढ़ने लगीं।

फिल्मों को लेकर जुनून ने गांव से पहुंचाया मुंबई

1960 से लेकर 2025 तक प्रासंगिक रहना कोई छोटी बात नहीं है। 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के नसरली गांव में जन्मे एक स्कूल हैड मास्टर केवल किशन सिंह देओल के बेटे को फिल्मों का जबर्दस्त शौक लगा, इतना कि अपनी पसंदीदा अभिनेत्री सुरैया की फ़िल्म "दिल्लगी" चालीस बार देखी, और हर बार मीलों पैदल चलकर इसे देखने गया। अब फिल्मों के लिए ये जुनून बीती बातें हैं। जब उन्हें हीरो बनने की धुन सवार हुई तो पिता के खौफ़ से इसे ज़ाहिर नहीं कर सकते थे, तब तक शादी भी हो चुकी थी। माँ सतवंत कौर की सलाह पर उन्होने फ़िल्मफेयर टैलंट हंट में प्रविष्टि भेज दी और वहाँ वे विजेता हुए। मुंबई पहुंचे और एक गैरेज में नौकरी कर ली। मनोज कुमार उनके रूम मेट थे उस दौर में। साथ-साथ एक ड्रिलिंग फ़र्म में भी नौकरी कर ली, नौकरी से उन्हें 200 रुपये महीना पगार मिलती थी।

1960 में उन्हें पहली बार फिल्मों में ब्रेक मिला

साल 1960 में उन्हें पहली बार फिल्मों में ब्रेक मिला। दिल भी तेरा हम भी तेरे नाम की फिल्म में धर्मेंद्र को पहली बार काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में ब्रेक देने वाले निर्देशक ने कहा था कि तुम्हारा लुक और तुम्हारी आंखों का भोलापन, ये सब काम करेगा। फिल्म का नाम है दिल भी तेरा हम भी तेरे और तुम इसके हीरो हो धरम सिंह। तो इस तरह से पंजाब के एक छोटे से गांव के रहने वाले सीधे सादे लड़के को बॉलीवुड इंडस्ट्री में एंट्री मिली और इसके साथ ही इनका नाम धरम सिंह देओल की जगह धर्मेंद्र पड़ गया। इसके बाद बिमल रॉय की फ़िल्म "बंदिनी" ने उन्हें गंभीर अभिनेताओं की श्रेणी में खड़ा कर दिया। उस दौर में वही ऐसे हीरो थे जो नायिका प्रधान फिल्मों को करने के लिए आसानी से तैयार हो जाते थे। और इसी सरलता ने उन्हें कुछ बहुत अच्छी फ़िल्मों का हिस्सा बनाया। फिर क्या था एक के बाद एक लगातार उन्हें फिल्में मिलती गईं और धर्मेंद्र देखते-देखते बॉलीवुड इंडस्ट्री के ही-मैन बन गए।

2032 तक अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क से बदल जाएगी मायानगरी की रफ्तार

मुंबई में बनेगा 'पाताल लोक'

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई में ट्रैफिक जाम की समस्या अब जल्द ही इतिहास बन सकती है। महाराष्ट्र सरकार ने मायानगरी को जाम की दिक्कतों से छुटकारा दिलाने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक रोडमैप तैयार किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि आने वाले वर्षों में मुंबई की सड़कों के नीचे एक 'पाताल लोक' बनाया जाएगा, यानी अंडरग्राउंड टनलों का जाल तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे पर 60% ट्रैफिक का दबाव रहता है और वैकल्पिक रूटों के बिना जाम खत्म करना संभव नहीं।

▸▸मुंबई की सड़कों से भीड़ कम करने के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस ने पेश किया रोडमैप

लोकल ट्रेनें बनेंगी मेट्रो

2032 तक पूरा होगा मेगा प्रोजेक्ट

अहम स्थानों को जोड़ेगी नई टनलें

इस परियोजना के तहत बांद्रा सी लिंक से बीकेसी तक एक बड़ी टनल बनाई जाएगी, जबकि दूसरी टनल सीधे मुंबई एयरपोर्ट की ओर जाएगी। इससे बीकेसी पर जाम खत्म होगा और लोग बहुत कम समय में एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे। अनुमान है कि ट्रैफिक की औसत रफ्तार 15–20 km/h से बढ़कर 80 km/h तक पहुंच सकती है। सीएम फडणवीस के अनुसार मुंबई के 60 प्रतिशत वाहन पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे से गुजरते हैं। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग के बिना ट्रैफिक जाम का समाधान मुश्किल है। इन टनलों से लोग कम समय में बीकेसी और एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे।

कब तक पूरा होगा 'पाताल लोक'?

मुख्यमंत्री फडणवीस के अनुसार यह प्रोजेक्ट अगले सात सालों में पूरा होने की उम्मीद है। अगर योजना के मुताबिक काम हुआ, तो 2032 तक मुंबईवासियों को ट्रैफिक जाम की समस्या से स्थायी राहत मिल सकती है।

ट्रैफिक गति और समय में सुधार

अभी मुंबई में औसत वाहन गति केवल 15-20 किलोमीटर प्रति घंटे है। नए अंडरग्राउंड मार्ग बन जाने के बाद यह औसत 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ जाएगा। इसका मतलब है कि न केवल यात्रा समय कम होगा, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था भी अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित होगी।

लोकल ट्रेनें भी होंगी आधुनिक

सीएम ने यह भी कहा कि मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेन सेवा को मेट्रो सिस्टम में तब्दील किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी प्रकार का किराया बढ़ोतरी नहीं होगी और ट्रेनें मेट्रो की तरह तेज़, आरामदायक और आधुनिक सुविधाओं के साथ चलेंगी।

कई बड़े टनल प्रोजेक्ट हो रहे हैं तैयार

सीएम फडणवीस ने बताया कि ठाणे-बोरीवली टनल और मुलुंड-गोरेगांव टनल का काम तेजी से चल रहा है, जिससे मुंबई में पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार होगा। बोरीवली-गोरेगांव के बीच पश्चिमी हाईवे के समानांतर एक नई सड़क भी तैयार की जा रही है। वर्ली से शिवड़ी तक का कनेक्टर अगले साल तैयार हो जाएगा, जिससे अटल सेतु तक पहुंचना बेहद आसान होगा। इससे उपनगरों से नवी मुंबई एयरपोर्ट तक सफर सुगम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईस्टर्न फ्रीवे के अंतिम छोर से गिरगांव चौपाटी तक एक और लंबी सुरंग बनाई जा रही है, जिसे तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

फिर बदला मौसम का मिजाज

गुलाबी ठंड में गर्मी की ताप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सोमवार को तापमान में 4 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी

मुंबई में पिछले एक सप्ताह से गुलाबी ठंड का एहसास होने लगा था, लेकिन मौसम ने फिर अपना तेवर बदल दिया है। पिछले सप्ताह के मुकाबले सोमवार को तापमान में 4 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। सर्दी नाममात्र की रह गई है और टेम्परेचर बढ़ने से मुंबईकरों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को सांताक्रूज में मिनिमम टेम्परेचर 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं कोलाबा में न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले हफ्ते के मुकाबले सोमवार को टेम्परेचर में 4 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई।

तापमान बढ़ने से बढ़ी सेहत संबंधी दिक्कतें

टेम्परेचर में उतार-चढ़ाव की वजह से सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है। तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण मुंबई में सर्दी-खांसी के मरीज़ बढ़ गए हैं। हवाओं में बदलाव के कारण कई इलाकों में हवा में जमा धूल और प्रदूषण की मात्रा भी बढ़ गई है। सोमवार को मुंबईकरों को अचानक गर्मी का एहसास किया। मिनिमम टेम्परेचर बढ़ने की वजह से सुबह की धुंध का भी एहसास नहीं हो पाया। सर्दी के दिनों में पंखे और एसी चलाने पड़ रहे हैं।

आने वाले दिनों में भी बढ़ेगा तापमान

पिछले सप्ताह मुंबई का सबसे कम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया था। उसके बाद सोमवार को यह तेज़ी से बढ़ा। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक तापमान बढ़ने की यह परेशानी झेलनी पड़ेगी। पिछले कुछ दिनों पर गौर करें तो 17 नवंबर को 18.9 डिग्री सेल्सियस, 18 नवंबर - 17.4 डिग्री, 19 नवंबर - 16.2 डिग्री, 20 नवंबर - 17.2 डिग्री, 21 नवंबर - 17.4 डिग्री, 22 नवंबर - 19.6 डिग्री और 23 नवंबर को 21.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया था।

नगर परिषद–नगर पंचायत चुनावों में बढ़ी सरगर्मी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में होने जा रहे नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों ने राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा दिया है। सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष—दोनों ने अपने स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार लगातार रैलियां कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस और राकांपा (शरद पवार) ने भी प्रचार की कमान संभाल ली है। हालांकि ठाकरे बंधू अभी तक चुनाव प्रचार से दूर दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार से प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कई जनसभाएं कीं। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों का विकास पारदर्शिता और योजनाबद्ध काम पर निर्भर करता है।

▸▸नेताओं ने झोंकी पूरी ताकत
▸▸स्टार प्रचारकों की एंट्री से चुनावी माहौल गर्माया

साइलेंट हंटर समुद्र में दुश्मन पनडुब्बियों को तलाशेगा आईएनएस माहे

भारतीय नौसेना में स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे शामिल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल कर लिया। यह माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी उथले पानी का युद्धपोत है। यह पोत बड़े युद्धपोतों, पनडुब्बियों और नौसेना के हवाई बेड़े के साथ मिलकर काम करेगा। इसके जुड़ने से तटीय सुरक्षा और मजबूत हो जाएगी। उथले पानी के युद्धपोत से अर्थ है कि ऐसा युद्धपोत जो कम गहराई वाले पानी में भी चल सके, जहां बड़े पोत या पनडुब्बियां आसानी से नहीं चल सकती। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी आईएनएस माहे के जलावतरण के अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा, आईएनएस माहे का शामिल होना भारत की स्वदेशी पोत निर्माण क्षमता का मजबूत प्रमाण है। यह दिखाता है कि भारत जटिल तकनीक वाले युद्धपोतों को खुद डिजाइन, तैयार और संचालित करने में सक्षम है।

छोटा पर घातक

नौसेना के अनुसार, आईएनएस माहे छोटा पर शक्तिशाली युद्धपोत है। यह बिना शोर के गश्त कर सकता है, जिससे दुश्मन पोत या पनडुब्बी को इसका पता नहीं चल पाता। नौसेना के अनुसार, आईएनएस माहे के शामिल होने से निकट समुद्री क्षेत्रों पर पकड़ मजबूत होगी, तटीय सुरक्षा सुदृढ़ होगी और भारत की समुद्री सीमाओं की रक्षा क्षमताओं में बड़ा इजाफा होगा।

- 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का हुआ है इस्तेमाल
- माहे पोत समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और नष्ट करने में सक्षम
- तटीय निगरानी, समुद्री सीमाओं की सुरक्षा तथा गुप्त गतिविधियों पर मजबूती से रख सकेंगे नजर
- पश्चिमी समुद्र तट पर 'साइलेंट हंटर' के रूप में काम करेगा युद्धपोत

माहे की खूबियां

- ▸▸लंबाई - 78 मीटर
- ▸▸चौड़ाई - 11.26 मीटर की बीम
- ▸▸ड्राफ्ट - 2.7 मीटर
- ▸▸गति-25 नॉट (लगभग 46 किमीप्रति घंटे)
- ▸▸विस्थापन - 896 से 1,100 टन तक

मुख्य खासियत

- उथले पानी में ऑपरेशन : जहां बड़े पोत नहीं जा सकते, वहां भी आसानी से चल सकता है।
- पनडुब्बी खोजने की क्षमता : उन्नत सोनार और सेंसर से पानी के भीतर मौजूद खतरे को पकड़ लेता है।
- स्टील्थ डिजाइन : चलने की आवाज कम, ताकि पनडुब्बियां इसे पकड़ न सकें।

स्वदेशी तकनीक से निर्माण

आईएनएस माहे को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है। यह माहे श्रेणी के आठ पोतों में पहला है। पोत का निर्माण पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और इसमें 80 प्रतिशत से अधिक भारतीय सामग्री का उपयोग हुआ है। साइलेंट किलर इस युद्धपोत का नामकरण मालाबार तट स्थित ऐतिहासिक तटीय शहर माहे के नाम पर किया गया है। युद्धपोत के प्रतीक चिह्न में 'उरुमी' को दर्शाया गया है जो कलारीपयट्टु की लचीली तलवार है और यह फुर्ती, सटीकता और घातक कौशल का प्रतीक मानी जाती है। पोत का आदर्श वाक्य 'साइलेंट हंटर' है, जो उसकी स्टील्थ क्षमता को दर्शाता है।

सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित : जनरल द्विवेदी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा, सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका उपयुक्त उदाहरण है। आज के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की सेनाओं की क्षमता देश की सुरक्षा को निर्धारित करेगी। समारोह के बाद जनरल द्विवेदी ने आईएनएस माहे के निर्माण में भूमिका निभाने वाले कर्मियों को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन भी प्रदान किया।

राज्य मंत्री मुंडे के निजी सहायक अनंत गारजे गिरफ्तार

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में राज्य मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक अनंत गारजे को उनकी पत्नी डॉ गौरी पालवे की आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। मामले में पुलिस के अनुसार पालवे ने शनिवार को वर्ली स्थित अपने फ्लैट में घरेलू झगड़े के कारण फांसी लगा ली। पालवे के पिता की शिकायत पर वर्ली पुलिस ने गारजे और उनके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था। बता दें कि इस साल फरवरी में अनंत गारजे और गौरी पालवे की शादी हुई थी। पालवे केईएम अस्पताल में डेंटिस्ट के रूप में कार्यरत थीं। परिवार का आरोप है कि गारजे द्वारा उनकी बेटी को परेशान और प्रताड़ित किया जाता था, जिसकी वजह से उसने यह कदम उठाया। मामले में पालवे के परिवार ने यह भी दावा किया कि गारजे का विवाहेतर संबंध था और पालवे ने उसे किसी अन्य महिला के साथ मोबाइल पर बातचीत करते पकड़ा था।

न्यूज ब्रीफ

चिकणघर में समुपदेशन केंद्र का उद्घाटन

कल्याण। कल्याण–डोंबिवली महानगरपालिका के महिला व बालकल्याण विभाग और वुमन्स वेल्फेअर फाउंडेशन की पहल पर कल्याण-पश्चिम के चिकणघर क्षेत्र में नए परामर्श केंद्र का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन करते हुए महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल ने कहा कि आज के समय में समुपदेशन केंद्र अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि ये महिलाओं, लड़कियों और वरिष्ठ नागरिकों को अपनी समस्याएँ साझा करने और समाधान पाने का सुरक्षित मंच उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने नागरिकों से इन केंद्रों का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की और दसवीं एवं बारहवीं के छात्रों के लिए तनाव-मुक्ति शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों ने बताया कि बदलते सामाजिक और पारिवारिक ढांचे की वजह से ऐसे केंद्रों की जरूरत लगातार बढ़ रही है। चिकणघर के साथ-साथ मोहनखेड़ा-मोहेने, सप्तगिरी (कल्याण पूर्व), पेंडसे नगर (डोंबिवली पूर्व) और आनंद नगर (डोंबिवली पश्चिम) में भी ऐसे समुपदेशन केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। फाउंडेशन की अध्यक्षा मेनाक्षी उज्जैनकर ने बताया कि केंद्रों पर प्रशिक्षित समुपदेशक उपलब्ध होंगे और जरूरत पड़ने पर कानूनी सलाह भी मिलेगी। उद्घाटन समारोह में नगर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, समाजसेवी और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुंबई में दो महिलाओं से 11 लाख रुपये ठगे

मुंबई। मुंबई में 31 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को पैगंबर मोहम्मद का 'वंशज' बताकर दो महिलाओं से कथित तौर पर करीब 11 लाख रुपये की ठगी की। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मोहसिन अली अब्दुल सत्तार कादरी नाम के व्यक्ति पर धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज किया गया है। माहिम थाने के अधिकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी अंसार अहमद अब्दुल गनी की शिकायत पर कादरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारी ने बताया कि 2022 में शिकायतकर्ता और उसके भाई इसरार फारूकी दक्षिण मुंबई स्थित एक दरगाह पर कादरी से मिले। बातचीत के दौरान, कादरी ने दावा किया कि वह पैगंबर मोहम्मद का 'वंशज' है और उसके पास उनके बाल हैं। पुलिस के अनुसार, बाद में दोनों भाइयों ने कादरी को माहिम स्थित अपने घर बुलाया, जहां वह कांच के डिब्बे में एक बाल लेकर आया, जिसके बारे में उसने दावा किया कि वह पैगंबर का है। पुलिस ने बताया कि उनके घर पर कुछ रस्में निभाने के बाद, उस व्यक्ति ने कांच के डिब्बे को उनकी अलमारी में रख दिया और उसे बंद कर दिया। कादरी ने भाइयों से कहा कि जब तक वह उन्हें ऐसा करने के लिए न कहे, तब तक वे अलमारी न खोलें।

सर्दी में अक्टूबर जैसी गर्मी, 35 डिग्री तापमान

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

इस साल लोगों को उम्मीद थी कि भारी बारिश के बाद सर्दी सुहावनी होगी, लेकिन नवंबर के आखिरी हफ्ते में ही गर्मी ने जबरदस्त वापसी कर ली। गुरुवार को ठाणे का अधिकतम तापमान 35C रिकॉर्ड किया गया, जिससे नवंबर में ही 'अक्टूबर जैसी गर्मी' लौट आई और लोगों को ठंड का एहसास तक नहीं हुआ।

स्वास्थ्य पर पड़ सकता है असर: डॉ. पवार

ठाणे जिला सिविल अस्पताल के सर्जन डॉ. कैलाश ओ. पवार ने चेतावनी दी कि अचानक बढ़ी गर्मी से सेहत पर गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। पानी की कमी से चक्कर आना, सांस लेने में दिक्कत, तेज धूप से आंखों में चमक और अंधेरा छाने जैसे लक्षण दिख सकते हैं। लोगों को सलाह दी गई है कि ज़रूरत पड़ने पर ही बाहर निकलें, पर्याप्त पानी पिएं तथा धूप से बचने के लिए चश्मा और टोपी का उपयोग करें। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन डिज़ास्टर मैनेजमेंट ऑफिस के अनुसार पिछले चार दिनों में तापमान लगातार बढ़ा है। 21 नवंबर को अधिकतम 33.2C और न्यूनतम 21.6C दर्ज किया गया, 22 नवंबर को यह बढ़कर 34.2C और 22.7C हो गया, 23 नवंबर को अधिकतम 34.7C और न्यूनतम 23.6C रहा, जबकि 24 नवंबर को तापमान 34.8C के उच्च स्तर पर पहुंच गया और न्यूनतम 23.7C रिकॉर्ड किया गया।

दिन में बढ़ती तपिश से बाहर निकलना मुश्किल

पिछले 3–4 दिनों से तापमान लगातार चढ़ रहा है। दोपहर के समय घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है क्योंकि तापमान 30C से बढ़कर 35C तक पहुंच गया है। इस उछाल ने सर्दी का पूरा मज़ा खत्म कर दिया है और मौसम का संतुलन बिगड़ता दिख रहा है।

मौसम विभाग का अनुमान—आगे और बढ़ेगी गर्मी

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 से 72 घंटों में तापमान और बढ़ सकता है। मिट्टी में मौजूद नमी, तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दिन में तेजी से गर्मी महसूस हो रही है। पर्यावरणविद प्रशांत सिनकर के अनुसार, हवा और ध्वनि प्रदूषण भी सर्दी में इस तरह की असामान्य गर्मी का एक संभावित कारण हो सकता है।

शहाड ब्रिज उद्घाटन को लेकर विवाद बढ़ा

एक दिन में चार बार उद्घघाटन

उल्हासनगर। उल्हासनगर के शहाड फ्लाईओवर के उद्घाटन को लेकर रविवार का दिन गहमागहमी से भरा रहा। दोपहर से शुरू हुई राजनीतिक उठापटक रात तक जारी रही। जैसे ही मनसे और भाजपा कार्यकर्ता आमने-सामने आए, उद्घाटन का श्रेय लेने की होड़ ने विवाद को और भड़का दिया। पुल पर धक्का-मुक्की, नारेबाज़ी और हंगामे के कारण माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया।

अचानक बढ़े तनाव ने रोका ट्रैफिक

शाम होते-होते भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया अपने कार्यकर्ताओं के साथ पुल पर पहुंच गए, जिससे मनसे और भाजपा कार्यकर्ता टकराव की स्थिति में आ गए। देखते ही देखते बहसबाज़ी हंगामे में बदल गई। तेज नारेबाज़ी और धक्का-मुक्की के बीच ब्रिज एरिया में पहले कभी न देखा गया तनाव पैदा हुआ।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से स्थिति सामान्य

हालात बिगड़ते देख उल्हासनगर पुलिस और यातायात विभाग ने तुरंत हस्तक्षेप किया। दोनों पक्षों को किनारे ले जाकर कॉन्ट्रैक्टरों के साथ बातचीत की गई। जनता को हो रही परेशानी को देखते हुए आखिरकार देर रात फ्लाईओवर को यातायात के लिए पूर्ण रूप से खोलने का निर्णय लिया गया।

'ट्रिपल उद्घाटन' ने राजनीतिक पारा चढ़ाया

दिन में भाजपा और शिवसेना (TOK) द्वारा किए गए उद्घाटन के बाद रात 12 बजे मनसे के तीसरे उद्घाटन की कोशिश ने राजनीतिक गर्मी को चरम पर पहुंचा दिया। शहर में यह चर्चा तेज हो गई है कि एक साधारण ब्रिज मरम्मत का काम मानो दुबई के बुर्ज खलीफा के उद्घाटन जैसा विवाद पैदा कर गया। फ्लाईओवर खुल चुका है, लेकिन पूरे दिन चली हलचल से साफ है कि इस मुद्दे ने शहर का राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है।

कैंसरकारी रंगों की मिलावट पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर खाद्य पदार्थों में कैंसर पैदा करने वाले रंगों की मिलावट पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह जन स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है और सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। अपने पत्र में चतुर्वेदी ने उल्लेख किया कि हाल के सबूतों के अनुसार ऑरामाइन—जो कपड़ों और चमड़े में प्रयोग होने वाला इंडस्ट्रियल डाई है—को भुने हुए चने में गैरकानूनी रूप से मिलाया जा रहा है। यह न सिर्फ खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत ऑरामाइन पूरी तरह प्रतिबंधित है और अंतरराष्ट्रीय एजेंसी (IARC/WHO) ने इसे संभावित कार्सिनोजेन माना है। इन खतरों के बावजूद मिलावट जारी है, इसलिए सरकार को तुरंत कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रित करना होगा।

बुधवार को ठाणे के कुछ इलाकों में जलापूर्ति बंद

ठाणे। ठाणे मनपा क्षेत्र के वागले और लोकमान्य सावरकर प्रभाग समितियों में इंदिरानगर को पानी सप्लाई करने के लिए हाल ही में 1168 mm डायमीटर की नई पाइपलाइन बिछाई गई है। इस लाइन को जोड़ने के लिए इंदिरानगर नाका पर 750 mm पाइप पर नया वाल्व लगाना आवश्यक है। इसी कारण बुधवार 26 सुबह 9 बजे से गुरुवार 27 सुबह 9 बजे तक कुल 24 घंटे जलापूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान इंदिरानगर, श्रीनगर, वारलीपाड़ा, कैलाशनगर, रूपादेवी, रामनगर, येउर एयर फोर्स, लोकमान्य सहित कई जलकुंभों में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी। मनपा ने बताया कि पानी आपूर्ति बहाल होने के बाद अगले 1–2 दिनों तक पानी कम दबाव से मिलेगा। ऐसे में नागरिकों से अनुरोध है कि वे पानी कटौती की अवधि में पानी का संयमित उपयोग करें और आवश्यक कार्य पहले से पूरा कर लें।

5.5 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ के साथ आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

वालकुम पाड़ा इलाके में पुलिस ने छापेमारी कर 5.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया, जबकि उसका एक साथी फरार हो गया। पुलिस को क्षेत्र में मादक पदार्थ की बिक्री की गोपनीय जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर पुलिस निरीक्षक भूषण शिंदे के नेतृत्व में टीम ने निगरानी शुरू की।

निगरानी के दौरान संदिग्ध पकड़ा गया

निगरानी करते समय पुलिस को दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। रोकने की कोशिश पर एक व्यक्ति मौके से भागने में सफल रहा, जबकि पश्चिम बंगाल निवासी अनवर अली (38) को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से 505 ग्राम वज़न वाले 10 पैकेट, 5,565 रुपये नकद और मोबाइल फोन बरामद किया गया।

फरार साथी की तलाश में जुटी पुलिस

जब्त मादक पदार्थों की कीमत 5 करोड़ 50 लाख रुपये आंकी गई है। पूछताछ में अनवर अली ने बताया कि उसका फरार साथी नेपाल का मूल निवासी है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और फरार आरोपित की तलाश जारी है।

राज्य बोर्ड परीक्षाओं के लिए सतर्कता समिति का पुनर्गठन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए सतर्कता समिति का पुनर्गठन किया गया है। जिले के जिलाधिकारी को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो परीक्षा केंद्रों का प्रत्यक्ष दौरा कर नकल रोकने और अनियमितताओं पर नियंत्रण रखने का कार्य करेंगे। स्कूली शिक्षा विभाग ने सोमवार को इस संबंध में शासनादेश जारी किया, जिसके अनुसार परीक्षा केंद्रों पर शांत, सुरक्षित और तनावमुक्त वातावरण सुनिश्चित करना समिति की प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

नकल रोकने और व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए बनायी गई संरचना

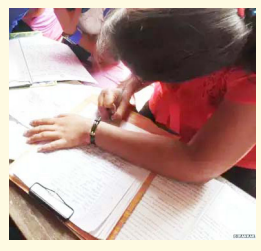

समिति में जिलाधिकारी के साथ पुलिस आयुक्त या उनके प्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विद्युत वितरण कंपनी के कार्यकारी अभियंता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य, प्राथमिक शिक्षणाधिकारी और योजना शिक्षणाधिकारी को शामिल किया गया है। माध्यमिक शिक्षणाधिकारी समिति के सदस्य सचिव होंगे। यह समिति राज्य बोर्ड परीक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण वातावरण बनाए रखने और प्रभावी उपायों को लागू करने की योजना तैयार करेगी।

5 करोड़ के चरस के साथ आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पुलिस आयुक्तालय की अपराध खोजी शाखा–5 ने 22 नवंबर 2025 को ठाणे के माझीवाड़ा स्थित ग्लोबल अस्पताल के निकट एक संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी के दौरान 5 किलो 50 ग्राम चरस बरामद की। जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत लगभग 5 करोड़ 50 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी शनबर अली के रूप में हुई है।

गुप्त सूचना के आधार पर हुई संयुक्त कार्रवाई

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमरसिंह जाधव ने बताया कि वागले इस्टेट क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सलील भोंसले को सूचना मिली थी कि बालकुंभ पाड़ा क्रमांक 2 में अवैध रूप से गांजा और चरस की बड़ी मात्रा में बिक्री की जा रही है। इस इनपुट के आधार पर क्राइम ब्रांच और वागले इस्टेट पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

आरोपी कोलकाता का है निवासी

सटीक जांच और निगरानी के बाद टीम ने 22 नवंबर को संदिग्ध 38 वर्षीय शनबर अनवर अली को चरस के साथ धर दबोचा। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ में यह पहली बार सामने आया कि वह कोलकाता के खिदिरपुर क्षेत्र का रहने वाला है। प्रारंभिक जांच में ड्रग्स की सप्लाई नेटवर्क को लेकर कई अहम सुराग मिले हैं। गिरफ्तार किए गए शनबर अली को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 26 नवंबर 2025 तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। क्राइम ब्रांच की जांच अब इस दिशा में केंद्रित है कि आरोपी ठाणे या आसपास के किन लोगों को यह चरस सप्लाई करने वाला था और उसका आपराधिक रिकॉर्ड क्या रहा है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सफल अभियान

यह कार्रवाई ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डूबरे, संयुक्त पुलिस आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीकांत पाठक, अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में पूरी की गई। पुलिस का कहना है कि ड्रग नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए जांच तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने विकास का रोडमैप किया पेश

विकास की गंगा बहाने के लिए हमें जिताएं : उपमुख्यमंत्री शिंदे

नासिक। सटाणा नगर परिषद चुनाव के प्रचार में शिवसेना के मुख्य नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जोरदार संबोधन किया। उन्होंने कहा कि सटाणा को वर्षों तक विकास से दूर रखने वालों को वोटिंग से भी दूर रखें और विकास की गंगा बहाने के लिए शिवसेना को विजयी बनाएं। नगराध्यक्ष पद के लिए हर्षदा पाटिल और शिवसेना के 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभा में मंत्री दादाजी भुसे सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

धनुष–बाण को बताया विकास का प्रतीक

उन्होंने कहा कि शिवसेना का धनुष–बाण किसानों, बहनों और भाइयों का प्रतीक है और यही चिन्ह विकास का रास्ता दिखाता है। इसलिए पूरे पैनल को जीताकर लाना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री रहते ढाई वर्षों में लाडकी बहिण योजना, लेक लाडकी लखपती योजना, महिलाओं के लिए एसटी बसों में 50% छूट, लड़कियों की उच्च शिक्षा मुफ्त और शेतकरी सम्मान योजना जैसे कई जनहितकारी निर्णय लिए गए। शिंदे ने कहा कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन जनता का भरोसा और सम्मान सबसे बड़ा होता है। उन्होंने खुद को "लाडक्या बहिणींचा लाडका भाऊ" बताते हुए कहा कि लोगों के दिलों का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है।

पानी संकट से लेकर सड़कों तक—सब समस्याओं पर कार्रवाई का भरोसा

शिंदे ने कहा कि सत्ता हमारा निजी स्वार्थ नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं का समाधान करना ही असली उद्देश्य है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सटाणा का पानी संकट, भूमिगत गटर योजना, यशवंतराव महाराज स्मारक, सड़कों का विकास, राष्ट्रीय राजमार्ग कार्य और पर्यटन स्थलों के विकास जैसे सभी मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। गैरकानूनी हाउस टैक्स व पानी टैक्स समाप्त कर सही और कानूनी कर लागू करने की घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि सटाणा की सड़कों के लिए 67 करोड़ रुपये का निधि पहले ही मंजूर किया जा चुका है। शिंदे ने विश्वास जताया कि सटाणा की जनता "200% विकास" को चुनेगी।

BJP नेता नजिया इलाही खान को जान से मारने और रेप की धमकी

मुंबई। मुंबई में बीजेपी नेता नजिया इलाही खान को एक अज्ञात शख्स द्वारा फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस धमकी भरे कॉल में कॉलर ने नजिया इलाही को पाकिस्तान से मर्डर और रेप की धमकियां दीं। कॉलर ने कहा कि "तुम मुंबई जिंदा आई हो, लेकिन वापस लाश बनकर जाओगी।" यह धमकी सऊदी अरब के एक मोबाइल नंबर से आई थी, जो सोहेल खान के नाम पर रजिस्टर्ड है। नजिया इलाही ने इस गंभीर घटना की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी और मुंबई पुलिस से तुरंत कार्रवाई की अपील की है।

नजिया इलाही खान ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट में बताया कि वह हाल ही में 26/11 आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम में शामिल हुई थीं, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कई प्रसिद्ध हस्तियां भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि इस दौरान आतंकवाद के खिलाफ उनकी आवाज उठाई गई थी।

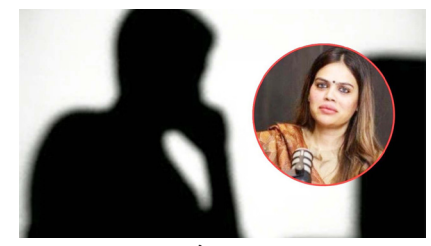

नजिया ने अपनी पोस्ट में आगे बताया कि उस दिन एक राजनीतिक सभा में शामिल होने के लिए वह घर से बाहर जा रही थीं, तभी उन्हें दुबई से एक कॉल आया। कॉलर ने खुद को सोहेल खान बताया और उन्हें धमकी दी कि "तुम मुंबई में हो, मैं तुम्हारे हर कदम का पता लगाता हूं। तुम्हारी जनाजे की तैयारी मुंबई में हो चुकी है।

मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी का आरोप

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को भेजा पत्र

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

बीएमसी चुनाव की तैयारियों के बीच मतदाता सूची को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य निर्वाचन आयुक्त दिलीप वाघमारे को कड़ा पत्र भेजते हुए सूची में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। नेताओं का कहना है कि पहली मतदाता सूची "त्रुटियों से भरी, अविश्वसनीय और संदिग्ध" है, जिससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है।

लाखों गलतियाँ, वरिष्ठ नागरिकों के नाम भी ग़ायब

पत्र में आरोप लगाया गया है कि 30 अक्टूबर को जारी सूची में लाखों नामों की गलतियाँ हैं। कई इमारतों के मतदाताओं को अलग-अलग वार्डों में भेज दिया गया है, कई जगह पता गलत है और कई नाम पूरी तरह गायब हैं। वरिष्ठ नागरिकों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नाम भी या तो हटाए गए हैं या गलत वार्ड में दर्ज किए गए हैं। साथ ही, सूची नियमों के अनुसार 20 नवंबर के बाद जारी होनी चाहिए थी, लेकिन इसे जल्दबाजी में जारी किया गया, जिससे नेताओं ने पूछा है—आख़िर इतनी हड़बड़ी किसके दबाव में?

आपत्ति प्रक्रिया जटिल, चुनाव की विश्वसनीयता पर खतरा

नेताओं ने यह भी शिकायत की है कि आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया बेहद जटिल बना दी गई है। कई जगह मतदाताओं से अनावश्यक दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जिसके कारण लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। राज और उद्धव ठाकरे ने चेतावनी दी है कि यदि मतदाता सूची में सुधार के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और तकनीकी समीक्षा नहीं कराई गई, तो चुनाव की विश्वसनीयता पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने आयोग से पारदर्शी प्रक्रिया, समयबद्ध सुधार और विशेषज्ञ टीम द्वारा विस्तृत जांच की मांग की है, यह कहते हुए कि "चुनाव प्रक्रिया जनता के विश्वास की नींव है, किसी भी जल्दबाज़ी से लोकतांत्रिक भावना आहत होती है।"

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के आरोपों को बीएमसी ने किया खारिज

मुंबई। बीएमसी के आम चुनाव के लिए जारी की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को लेकर उठे सवालों पर मनपा प्रशासन ने सफाई दी है। प्रशासन का कहना है कि तारीख के आधार पर लगाए जा रहे सभी आरोप तथ्यहीन और बेबुनियाद हैं।

बीएमसी ने स्पष्ट किया कि राज्य निर्वाचन आयोग के मूल शेड्यूल के अनुसार ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 14 नवंबर 2025 को प्रकाशित होने की संभावना थी और उसी के तहत यह लिस्ट मनपा को प्राप्त हुई थी। बाद में आयोग की ओर से बदला हुआ शेड्यूल जारी किया गया, जिसके अनुसार बीएमसी को 20 नवंबर 2025 को ड्राफ्ट लिस्ट पब्लिश करने का आदेश मिला।

तारीख को लेकर भ्रम फैलाना गलत: बीएमसी

पब्लिश हुई कॉपियों पर 14 नवंबर की तारीख पहले से प्रिंट थी, लेकिन लिस्ट वास्तव में आयोग के आदेश के अनुसार 20 नवंबर को ही जारी की गई। उससे पहले यह न वेबसाइट पर उपलब्ध थी और न ही इलेक्शन ब्रांच से बांटी गई थी। बीएमसी ने कहा कि ऐसे में सिर्फ तारीख देखकर भ्रम फैलाना या आरोप लगाना पूरी तरह निराधार है।

4165 करोड़ के कचरा निपटान टेंडर पर मनपा का यूटर्न

बोलीदाताओं की मांगों के बाद टेंडर पर दोबारा विचार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई मनपा ने कचरा संग्रह और परिवहन के लिए जारी किए गए 4165 करोड़ रुपये के टेंडर पर बोलीदाताओं के रुख के बाद यू-टर्न ले लिया है। बोलीदाताओं ने टेंडर राशि में 40% से 64% तक बढ़ोतरी की मांग की थी, यह कहते हुए कि मौजूदा बजट में काम करना संभव नहीं होगा। इसी मुद्दे पर सोमवार को मनपा मुख्यालय में बैठक हुई, जिसमें घनकचरा विभाग के अधिकारी और बोलीदाता शामिल थे। विभाग के उपायुक्त किरण दिघावकर ने स्पष्ट किया कि बोलीदाताओं द्वारा मांगी गई राशि देना संभव नहीं है और अब मनपा या तो उन्हें मौजूदा दर पर काम करने के लिए राजी करेगी या टेंडर दोबारा निकालेगी।

टेंडर को लेकर आयुक्त से हुई चर्चा, जल्द होगा फैसला

घनकचरा विभाग ने इस स्थिति पर बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी से चर्चा की है। मनपा प्रशासन का कहना है कि टेंडर पर पुनर्विचार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बोलीदाताओं की मांगों और मनपा की सीमाओं को देखते हुए दोनों पक्षों के बीच समझौते की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है।

22 वार्डों में निजी कंपनियों को सौंपी जानी थी जिम्मेदारी

इस टेंडर के तहत 22 वार्डों में कचरा संग्रह और निपटान की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को देने की योजना थी। एल वार्ड (कुर्ला), एम-पूर्व (गोवंडी) और एम-पश्चिम (चेंबूर) को इससे बाहर रखा गया था, क्योंकि ये कांजूरमार्ग और देवनार डंपिंग ग्राउंड के करीब हैं। प्रस्तावित योजना में उच्च क्षमता वाले रंग-कोडित वाहनों का उपयोग अनिवार्य था, जिनमें 10%–15% इलेक्ट्रिक वाहन शामिल होने थे। मनपा दिसंबर तक इस टेंडर को अंतिम रूप देना चाहती थी।

आरोपितों को सजा मिलने तक चुप नहीं बैठेंगे : एकनाथ शिंदे

नासिक जिले के डोंगराले में प्रदर्शनकारियों ने रोका उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का काफिला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नासिक

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि डोंगराले अत्याचार मामले में जब तक दोषियों को मौत की सजा नहीं मिल जाती, वह चैन से नहीं बैठेंगे। सोमवार को चुनाव प्रचार के लिए नासिक जिले के डोंगराले जाते समय उनका काफिला प्रदर्शनकारियों ने रोक लिया था। घटना के बाद शिंदे ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और प्रदर्शनकारियों पर किसी तरह की कानूनी कार्रवाई न करने का आदेश पुलिस को दिया।

स्थानीय निकाय चुनाव प्रचार के दौरान हुआ विरोध प्रदर्शन

उपमुख्यमंत्री डोंगराले में स्थानीय निकाय चुनाव के प्रचार के लिए जा रहे थे। उसी दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के पिंपलनेर तहसील अध्यक्ष पवन संदनशिव के नेतृत्व में कुछ युवकों ने काफिला रोककर न्याय की मांग वाले बैनर दिखाए। पुलिस उन्हें हिरासत में लेने लगी, लेकिन शिंदे स्वयं प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और आश्वस्त किया कि वे इस मामले में अंतिम न्याय तक संघर्षरत रहेंगे।

शिंदे ने प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का दिया निर्देश

प्रदर्शनकारियों से बातचीत के दौरान एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट कहा कि दोषियों को फांसी की सजा दिलाने तक वह चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने मौके पर ही पुलिस को सभी प्रदर्शनकारियों को तुरंत छोड़ने के आदेश दिए। इसके बाद शिंदे अपनी चुनावी सभा के लिए डोंगराले रवाना हुए।

डोंगराले में मासूम बच्ची पर दरिंदगी से गुस्सा उबाल पर

16 नवंबर को नासिक जिले के मालेगांव तहसील के डोंगराले गांव में 24 वर्षीय विजय संजय खैरनार ने तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद मालेगांव पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और वह कस्टडी में है। इस जघन्य अपराध को लेकर पूरे डोंगराले और मालेगांव तहसील में आक्रोश व्याप्त है।

पीड़ित परिवार को 10 लाख की सहायता, सरकार ने ली घटना की गंभीरता

अमानवीय अत्याचार को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने पीड़ित परिवार को मनोधैर्य योजना के तहत 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इस मामले में त्वरित कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने के लिए सभी कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

आवारा श्वानों पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार की नई कार्ययोजना जारी

श्वानों की नसबंदी व टीकाकरण अब अनिवार्य

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य के नगर विकास विभाग ने सोमवार को नया परिपत्र जारी करते हुए निर्देश दिया है कि महानगर पालिकाओं, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के अंतर्गत आने वाले शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों में पाए जाने वाले प्रत्येक आवारा श्वान को पकड़कर अनिवार्य रूप से नसबंदी और टीकाकरण किया जाए। इसके बाद इन श्वानों को आश्रय स्थलों में रखा जाएगा और उन्हें पुनः उसी स्थान पर छोड़ने पर पूरी तरह रोक रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर सख्त अनुपालन

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा आवारा श्वानों के संबंध में जारी निर्देशों को लागू करने के लिए विशेष कदम उठाए हैं। नवी मुंबई स्थित नगर परिषद प्रशासन निदेशालय के आयुक्त और निदेशक को समन्वय अधिकारी नियुक्त किया गया है। परिपत्र में साफ कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जाएगा। राज्य के प्रत्येक महानगर पालिका, नगर पालिका और नगर पंचायत के क्षेत्र में आवारा श्वानों से संबंधित शिकायतों के लिए अलग से हेल्पलाइन नंबर शुरू करना अनिवार्य होगा। स्थानीय निकायों को नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निपटारा करना पड़ेगा, ताकि समस्या का प्रभावी समाधान हो सके।

स्थानीय निकायों को बनानी होंगी विशेष आश्रय सुविधाएं

नए निर्देशों के तहत शहरी स्थानीय निकायों को आवारा श्वानों को पकड़कर रखने के लिए पर्याप्त और मानक के अनुरूप आश्रय स्थलों की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही, सभी अस्पतालों में एंटीरेबीज टीके और इम्युनोग्लोबुलिन का पर्याप्त भंडारण अनिवार्य किया गया है। नगर विकास विभाग के 24 सितंबर 2025 के परिपत्र के अनुसार अत्याधुनिक पशुचिकित्सा अस्पतालों का निर्माण भी जरूरी होगा।

कांग्रेस की राज्यव्यापी 'शिवशंभू स्वराज्य अभियान'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर शिवशंभू प्रतिष्ठान महाराष्ट्र, राज्य की विभिन्न संविधानवादी संस्थाएँ और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त उपक्रम के रूप में कांग्रेस प्रांताध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ के मार्गदर्शन में "शिवशंभू स्वराज्य अभियान" पूरे राज्य में शुरू किया जा रहा है। यह अभियान संविधान, स्वराज्य और सामाजिक न्याय के मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करेगा।

सद्भावना यात्रा की सफल परंपरा को आगे बढ़ाता अभियान

भाजपा शासनकाल में बढ़ते जातीय-धार्मिक तनावों के बीच प्रांताध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ के नेतृत्व में निकली "सद्भावना यात्रा" ने सामाजिक एकता और सर्वधर्म समभाव का माहौल पुनर्स्थापित किया था। उस यात्रा से राज्यभर में फैले भाईचारे, सद्भावना और संविधाननिष्ठ मूल्यों को अब "शिवशंभू स्वराज्य अभियान" और व्यापक रूप में आगे ले जा रहा है। भारत जोड़ो यात्रा, सद्भावना यात्रा और यह स्वराज्य अभियान—इन तीनों यात्राओं का मूल संदेश एक ही है : एकता, संविधान और स्वराज्य की रक्षा।

दो दिवसीय यात्रा

25–26 नवंबर 2025 को यह विशेष यात्रा क्रांतीभूमि महाड से राष्ट्रमाता जिजाऊ समाधि स्थल और किले रायगढ़ तक आयोजित होगी। यह सिर्फ ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा नहीं, बल्कि वर्तमान परिस्थितियों में लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक सौहार्द की रक्षा का सामूहिक संकल्प है। "संत विचार–स्वराज्य–संविधान" पर आधारित यह अभियान 'भारत जोड़ो' यात्रा के संदेश को महाराष्ट्र में आगे बढ़ाने का निर्णायक प्रयास है।

लिक्विडेटर को सौंपी गईं मेहुल चोकसी की संपत्तियां

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में फरार आरोपी मेहुल चोकसी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के बोरीवली (पूर्व) स्थित प्रोजेक्ट 'तत्त्व, ऊर्जा ए विंग' के चार फ्लैट लिक्विडेटर को सौंप दिए। ये सभी संपत्तियां पहले से ही ईडी द्वारा अटैच थीं, जिन्हें अब नीलामी प्रक्रिया के लिए औपचारिक रूप से परिसमापक के हवाले किया गया है। ईडी के अनुसार अब तक गीतांजलि जेम्स लिमिटेड से जुड़ी लगभग 310 करोड़ रुपये की संपत्तियां—मुंबई, कोलकाता और सूरत में—लिक्विडेशन प्रक्रिया के लिए सौंप दी गई हैं।

पश्चिम रेलवे
विद्युत कार्य

Sr. DEE/P/BCT, पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 **निविदा सूचना क्र.: EL-81-116-23-WA-54, दिनांक: 20.11.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** भिलाड़ – इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ इनडोर सिग्नलिंग उपकरण के प्रतिस्थापन के संबंध में विद्युत (पावर) कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** 60,67,395/- **ईएमडी:** 1,21,400/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** 19.12.2025 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 19.12.2025 को 15:30 बजे अधिक विवरण के लिए हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 0821

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
विभिन्न कार्यों

निविदा सूचना क्र. डीआर.एन.सी.एसएंड टी.टेंडर.2025.07 दिनांक: 21.11.2025 1. कार्य का नाम उस के स्थान के साथ: मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में विभिन्न कार्यों के संबंध में उपयोगिता स्थानांतरण/एस एंड टी गियर के उल्लंघन को हटाना और अन्य विविध कार्य 2. कार्य की औसत लागत: ₹12,21,14,700.97/- 3. जमा की जाने वाली बयाना रकम: ₹7,60,600.00/- 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 12.12.2025 को 15.00 बजे. 5. निविदा खुलने की तिथि एवं समय: 12.12.2025 को 15.30 बजे. 6. वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड जहाँ से पूर्ण विवरण आदि देखे जा सकते हैं: वेबसाइट www.ireps.gov.in और "उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), तिलक पुल के पास, मध्य रेल, दादर, मुंबई – 400028" का कार्यालय. संशोधन (यदि हुआ) केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा. 681

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे
ब्रिज स्लीपर नवीनीकरण

मंडल रेल प्रबंधक(WA), पश्चिम रेलवे, 6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 **ई-टेंडर नोटिस क्रमांक: BCT/25-26/261, दिनांक 18.11.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थान:** उकाईसोंगढ़ और जलगांव सेक्शन के बीच, सीनियर DEN (E) MMCT के अधीन पश्चिम रेलवे क्षेत्राधिकार में H-बीम स्टील स्लीपर प्रदान करके थ्रू ब्रिज स्लीपर रिन्यूअल (TBSR) का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** 3,28,50,379.79 **ईएमडी:** 3,14,300/- **प्रस्तुति की अंतिम तिथि एवं समय:** 16.12.2025, दोपहर 15:00 बजे तक **खोलने की तिथि एवं समय:** 16.12.2025, दोपहर 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर विजिट करें: www.ireps.gov.in मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। 0819

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पब्लिक नोटिस

को-ऑपरेटिव नोटिस आम लोगों को दिया जाता है कि राधाकुंज हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मनमाला टैंक रोड, माहिम मुंबई- 400016 द्वारा जारी किया गया 5 पूरी तरह से चुकाए गए शेयर का ओरिजिनल शेयर सर्टिफिकेट नंबर 61, जिसमें हर शेयर की कीमत 50 रुपये है, जो मिस नैना वी. चोपड़ा के नाम पर है और राधाकुंज को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के फ्लैट नंबर D-2, ग्राउंड फ्लोर के लिए है, खो गया है और उसका पता नहीं चल रहा है और खोए हुए ओरिजिनल शेयर सर्टिफिकेट नंबर 61 के बदले डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने के लिए संबंधित एप्लीकेशन सोसाइटी के सेक्रेटरी/चेयरमैन को दी गई है। खोए हुए शेयर सर्टिफिकेट के लिए पुलिस लॉस्ट रिपोर्ट नंबर 15473/2025 DTD.21/11/25 माहिम पुलिस स्टेशन में फाइल की गई है।

अगर किसी व्यक्ति/व्यक्तियों, कानूनी संस्थाओं और संस्थाओं को डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने के लिए कोई दावा/आपत्ति (अगर कोई हो) है, तो उन्हें इस नोटिस के छपने की तारीख से 7 दिनों के अंदर सोसाइटी के सेक्रेटरी को बताना होगा। ऐसा न करने पर, अगर कोई दावा/आपत्ति है, तो उसे छोड़ दिया गया/छोड़ दिया गया माना जाएगा और सोसाइटी डुप्लीकेट शेयर रिक्विजिशन सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

राधाकुंज को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी लिमिटेड के लिए।
जगहः मुंबई
तारीखः 23/112025

हस्ता/-
माननीय सेक्रेटरी,
वकीलों के जरिए, वी. कदम
एसोसिएट्स
मोबाइल 9820229171

घर में आग लगने से छह लोग झुलसे, दो की हालत गंभीर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

घाटकोपर (ईस्ट) स्थित 90 फीट रोड के साईं नगर में सोमवार दोपहर अचानक एक घर में आग लगने से चार बच्चों सहित छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को तत्काल राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां दो की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 12:49 बजे हुई और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

कारणों की जांच जारी, घर का सामान खाक

अस्पताल सूत्रों के अनुसार देवी मुखिया और नागेश्वर मुखिया की हालत गंभीर है। आग में घर का अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो गया है। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू

सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और प्रयास करते हुए आग पर नियंत्रण पाया। मुंबई महानगरपालिका के प्रवक्ता ने बताया कि फायर कर्मियों ने घर में फंसे प्रतीक कुमार मुखिया (10), गौरी मुखिया (10), पूजा मुखिया (6), प्रशांत विश्वकर्मा (9), देवी मुखिया (40) और नागेश्वर मुखिया (45) को सुरक्षित बाहर निकालकर तुरंत अस्पताल भेजा।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

110/904/MA, दि. 20.11.2025

ई-निविदा सूचना

विभाग	कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
उप विभाग	नगरपालिका विश्लेषक, नगरपालिका प्रयोगशाला
निविदा क्रमांक	2025_MCGM_1249348_1
विषय	जी/नॉर्थ स्थित नगरपालिका प्रयोगशाला के लिए ब्यूटाइरो रेफ्रैक्टोमीटर की खरीद
निविदा प्रारंभ दिनांक व समय	25.11.2025 — 17:00 बजे
निविदा समाप्ति दिनांक व समय	04.12.2025 — 15:00 बजे
वेबसाइट	http://mahatender.gov.in
संपर्क अधिकारी का नाम	श्री संतोष जठार, नगरपालिका विश्लेषक
लैंडलाइन नंबर	022-24301551
ईमेल	municipalanalyst@gmail.com

पीआरओ/2366/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
नगरपालिका विश्लेषक
नगरपालिका प्रयोगशाला

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

अलविदा 'ही-मैन'

हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम इतिहास में धर्मेंद्र वह नाम है, जो एक साथ शक्ति, सरलता, रोमांस और हास्य का पर्याय बन गया। "ही-मैन" कहलाने वाले इस महान अभिनेता ने अपने छह दशक लंबे करियर में 300 से अधिक फिल्मों से दर्शकों के दिलों पर राज किया। 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के नसराली गांव में जन्मे धर्मेंद्र एक साधारण परिवार से निकलकर सितारों की दुनिया में पहुंचे, जहां उनका कद केवल कला से नहीं, बल्कि अपने अद्भुत व्यक्तित्व से भी ऊंचा हुआ। फिल्मफेयर के टैलेंट कॉन्टेस्ट से शुरुआती पहचान मिली और 1960 में 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से सफर शुरू हुआ। शोले, चुपके चुपके, यादों की बारात, सत्ते पे सत्ता जैसी फिल्मों ने उन्हें बहुमुखी प्रतिभा का धनी कलाकार साबित किया। उनकी मुस्कान, संवाद-अदायगी, और वह अनोखा देसी करिश्मा—दर्शकों की पीढ़ियों को आज भी याद है। लेकिन इस चमकदार करियर के बीच जीवन ने एक मोड़ लिया, जब धर्मेंद्र ने संसद के गलियारे में कदम रखा। 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें राजस्थान के बीकानेर से उम्मीदवार बनाया। चुनावी मैदान में फिल्मी स्टारडम का असर दिखा—धर्मेंद्र भारी बहुमत से जीत गए। जनता ने अपने "वीरू" को संसद भेज दिया, जैसे उम्मीद हो कि फिल्मों की तरह वे वास्तविक समस्याओं को भी नाटकीय अंदाज में हल कर देंगे। मगर राजनीति सिल्वर स्क्रीन से अलग दुनिया है—जहां तालियों के बजाय तर्कों की जरूरत होती है, और जहां हर दिन एक नई जिम्मेदारी सामने खड़ी होती है। दुर्भाग्य से धर्मेंद्र का राजनीतिक सफर उनकी फिल्मी सफलता की तरह मजबूत नहीं रहा। लोकसभा में उनकी उपस्थिति मात्र 22% रही, जो राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे थी। उन्होंने पांच साल के कार्यकाल में केवल तीन सवाल पूछे—ना कोई प्राइवेट मेंबर बिल, न किसी बड़े मुद्दे पर हस्तक्षेप। बीकानेर के लोगों ने शुरुआत में उम्मीदें लगाई थीं कि उनका प्रतिनिधि रेगिस्तान की समस्याओं—विशेषकर पानी, कृषि और रोजगार—पर ठोस काम करेगा। लेकिन सांसद निधि के उपयोग तक सीमित कुछ छोटे प्रोजेक्टों को छोड़ दिया जाए, तो क्षेत्र के विकास पर उनकी छाप कमजोर ही रही। धर्मेंद्र की राजनीतिक असफलता के कारण गहरे हैं। पहला—अनुभव का अभाव। उन्होंने न गांव के किसी पंचायत चुनाव में भाग लिया था, न किसी सामाजिक आंदोलन का हिस्सा बने थे। सीधे राजनीति के उच्च मंच पर पहुंचना ऐसे ही था जैसे बिना रिहर्सल के किसी बड़े सीन में झोंक दिया जाना। दूसरा—उम्र और स्वास्थ्य। 68 वर्ष की उम्र में राजस्थान के कठोर मौसम, लगातार यात्राओं और संसदीय जिम्मेदारियों को निभाना आसान नहीं था। तीसरा—फिल्मी छवि का दबाव। लोग उनसे वीरू की तरह तेज-तर्रार फैसले की उम्मीद करते थे, जबकि राजनीति में समस्याओं का समाधान लंबी प्रक्रियाओं और निरंतरता से आता है। धर्मेंद्र न तो राजनीतिक बहसों में सहज थे, न प्रशासनिक बारीकियों में रुचि रखते थे। इन सबके बावजूद इसमें कोई संदेह नहीं कि धर्मेंद्र की छवि ईमानदार थी। वे अपने शब्दों में, अपनी सरलता में और अपनी गलतियों में भी सच्चे लगे। संसद न आने के सवाल पर उनका यह जवाब—"मैं किसान हूं, खेतों में रहता हूं; दिल्ली की हवा मुझे सूट नहीं करती"—उनकी साफगोई का प्रतीक था, भले ही यह जवाबदेही के मानकों पर खरा न उतरे। राजनीति में उनका अध्याय छोटा भले रहा, पर यह सवाल जरूर छोड़ गया कि क्या केवल लोकप्रियता किसी को जनप्रतिनिधित्व के लिए पर्याप्त बनाती है? धर्मेंद्र आज नहीं हैं। 24 नवंबर 2025 को, 89 वर्ष की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। मुंबई में हुए अंतिम संस्कार में फिल्म और राजनीति जगत दोनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी—जैसे दो संसार यह स्वीकार कर रहे हों कि धर्मेंद्र ने दोनों को अपनी-अपनी तरह छुआ। पर उनकी असली विरासत सिनेमा ही है—सिनेमा, जिसने उन्हें पद्म भूषण दिलाया, जिसने सनी देओल और बॉबी देओल जैसे सितारों को जन्म दिया, जिसने दर्शकों को वीरू, परिमल और रवि आनंद जैसे किरदार दिए। धर्मेंद्र राजनीति में सफल नहीं हुए—लेकिन शायद इसीलिए उनकी फिल्मी चमक और अधिक उजली लगती है। उनकी मुस्कान, उनका जोश और उनकी नर्मी—यह सब आने वाली पीढ़ियों की यादों में जीवित रहेगा।

जब कानून और समाज आमने–सामने खड़े हों

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

"स्वतंत्रता और परंपरा—दोनों अपने-अपने स्थान पर सही, पर जब टकराते हैं तो सबसे पहले टूटता है एक सामान्य परिवार। कानून अपना काम करता है, समाज अपनी जिद पर अड़ा रहता है, और बीच में पिस जाता है वह घर जिसने न विद्रोह किया, न अपराध—फिर भी वही सबसे बड़ा शिकार बन जाता है।"

भारत जैसे विशाल और विविध सामाजिक ढाँचे वाले राष्ट्र में व्यक्ति के अधिकार और समाज की सामूहिक मर्यादाएँ एक-दूसरे से लगातार टकराती रहती हैं। संविधान व्यक्ति को स्वतंत्रता देता है, अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है, लेकिन सामाजिक परम्पराएँ यह स्वीकार नहीं कर पातीं कि कोई लड़की या लड़का परिवार की इच्छा और बिरादरी की मान्यताओं से अलग कोई जीवननिर्णय ले। यह संघर्ष नया नहीं है, लेकिन आज की जमीनी हकीकत में इसका तनाव कहीं अधिक विकराल रूप ले चुका है।

हाल ही की एक त्रासदी में यही टकराव खुलकर सामने आया, जब एक युवती ने अपने ही गाँव के युवक से विवाह कर लिया—ऐसा विवाह जो पूरी तरह कानूनी था, लेकिन समाज की दृष्टि में सर्वथा अस्वीकार्य। सामाजिक विरोध, पंचायत की मनाही, परिवार की पीड़ा और प्रतिष्ठा के दबाव के बीच लड़की शहर चली गई थी, पर कुछ समय बाद वापस अपने ही पैतृक गाँव में बहू बनकर लौट आई। यही वापसी समाज को चुनौती की तरह दिखाई दी और परिवार पर अत्यन्त तीव्र मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ा। वही दबाव परिस्थितियों को उस कगार तक ले गया जहाँ भाई ने अपनी ही बहन की हत्या कर दी। इस एक क्षण ने न केवल एक जीवन छीना, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया।

यह घटना सिर्फ मानवता पर एक चोट नहीं है, यह एक ऐसा दर्पण भी है जिसमें हम अपने समय की सबसे बड़ी विडंबना को साफ देख सकते हैं—कानून कुछ कहता है, समाज कुछ और। व्यक्ति की स्वतंत्रता एक दिशा में जाती है, जबकि परंपराएँ दूसरी दिशा में खींचती हैं। इन दोनों के बीच जो परिवार खड़ा होता है, वह अक्सर दोनों ओर से घायल होता है। कानून वयस्कता की उम्र तय कर देता है, पर वह ग्रामीण समाज की संवेदनात्मक संरचना, परिवार की प्रतिष्ठा, और सामुदायिक दबाव को नहीं समझता। वहीं समाज स्वतंत्रता के अधिकार को "अवज्ञा" या "विद्रोह" की तरह देखता है और परिवार पर ऐसी जिम्मेदारियाँ डाल देता है जिन्हें निभाना असंभव है।

परिवार ही इस संघर्ष का सबसे बड़ा पीड़ित बनता है। बेटी का गांव छोड़कर जाना, रिश्तेदारों की टिप्पणियाँ, पंचायत का दबाव, सामाजिक प्रतिष्ठा का संकट—ये सभी घटनाएँ एक घर को भीतर से हिलाकर रख देती हैं। कानून परिवार से लड़की को स्वीकार करने का संदेश देता है, जबकि समाज उसे अस्वीकार करने का दबाव डालता है। ये दोनों ताकतें परिवार को दो हिस्सों में चीर देती हैं—एक हिस्सा जिसे मन ने स्वीकार कर लिया है, और दूसरा हिस्सा जिसे समाज स्वीकार नहीं करने देता। ऐसे में विवेक धुंधला पड़ जाता है और भावनाएँ निर्णयों पर हावी होने लगती हैं।

इस घटना का सबसे भयावह पहलू यह था कि सोशल मीडिया पर 95 प्रतिशत टिप्पणियाँ इस हत्या को "सही" ठहरा रही थीं। यह केवल कुछ व्यक्तियों की राय नहीं, बल्कि समाज में पनप रही एक खतरनाक सामूहिक सोच का संकेत है। जब कोई समाज अपनी भावनाओं और परंपराओं के दबाव में हत्या जैसे अपराध को भी न्याय मानने लगे, तो यह किसी भी सभ्य व्यवस्था के लिए अत्यन्त गंभीर स्थिति है। कानून की शक्ति तभी तक है जब तक समाज उसे नैतिक समर्थन देता है। जब समाज हिंसा को नैतिक ठहराने लगे, कानून कमजोर नहीं, बल्कि अप्रासंगिक हो जाता है। और यही स्थिति किसी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी चेतावनी है। विवाह की स्वतंत्रता का प्रश्न भी इस घटना में नए दृष्टिकोण से उभरता है। भारतीय कानून मानता है कि 18 और 21 वर्ष की उम्र में व्यक्ति परिपक्व और स्वतंत्र निर्णय लेने योग्य होता है। पर क्या वास्तव में यह उम्र जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय बिना परिवार के अनुभव, बिना सामाजिक समझ, बिना भविष्य की जिम्मेदारियों को समझे लेने के लिए पर्याप्त है? भारतीय परिवार व्यवस्था में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मामला नहीं होता, यह दो परिवारों, रिश्तों और समाजों का मामला होता है। ऐसे में कम आयु में किया गया आवेगपूर्ण निर्णय केवल व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है।

यही कारण है कि कई लोग तर्क देते हैं कि विवाह के लिए माता-पिता की सहमति आवश्यक होनी चाहिए—कम से कम 30 वर्ष की आयु तक। यह विचार सामाजिक अनुभवों से उत्पन्न है, पर संवैधानिक दृष्टि से कठिन है। यदि माता-पिता की सहमति अनिवार्य कर दी जाए, तो यह युवाओं पर अत्यधिक दबाव और कई मामलों में दमन को भी जन्म दे सकता है। फिर भी यह भी सच है कि परिवार से विमुख होकर किए गए विवाहों के परिणामों का सबसे बड़ा बोझ परिवारों को ही उठाना पड़ता है। यह द्वंद्व इतना गहरा है कि कोई भी पक्ष न पूरी तरह सही ठहराया जा सकता है, न पूरी तरह गलत।

जीवन मंत्र

नफ़रत हो तो वह प्रेम नहीं, केवल लालसा है

लालसा और स्वार्थ से प्रेरित संबंध में व्यक्ति अक्सर खुद के अहंकार और असंतोष के कारण दूसरे पर दबाव डालता है। यह दबाव न केवल रिश्तों को कमजोर करता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक तनाव भी उत्पन्न करता है।

सच्चा प्रेम वह भावना है जो निःस्वार्थ, समर्पित और सहानुभूतिपूर्ण होती है। जब हम किसी के प्रति प्रेम महसूस करते हैं, तो उसमें द्वेष, क्रोध या नकारात्मकता की कोई जगह नहीं रहती। प्रेम में केवल दूसरे की भलाई, उसकी खुशियों में हमारी खुशी और उसकी परेशानियों में हमारी संवेदना शामिल होती है। ऐसे प्रेम में व्यक्ति हमेशा समझ और सहानुभूति के साथ संबंधों को निभाता है। यदि किसी रिश्ते में द्वेष या नफ़रत उत्पन्न हो, तो यह संकेत है कि वह प्रेम अपने शुद्ध रूप से भटक गया है। कई बार लोग प्रेम का नाम लेकर केवल अपनी इच्छाओं और लालसा की पूर्ति करते हैं। वे दूसरों के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ और अपनी संतुष्टि के लिए रिश्तों में जुड़े रहते हैं। जब यह लालसा पूरी नहीं होती, तो निराशा, गुस्सा और द्वेष पैदा हो जाता है। ऐसे रिश्तों में प्रेम का वास्तविक अर्थ गायब हो जाता है और केवल स्वार्थ और लालसा का प्रभाव दिखाई देता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि प्रेम और लालसा में मूलभूत अंतर होता है—प्रेम समर्पण और सहानुभूति है, जबकि लालसा केवल स्वार्थ और इच्छाओं का परिणाम है। सच्चा प्रेम स्थायी और स्थिर होता है। इसमें केवल अपने

लिए सोचने या किसी पर नियंत्रण रखने की प्रवृत्ति नहीं होती। प्रेम में दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं का सम्मान होता है। यदि किसी संबंध में हिंसा, अत्याचार या द्वेष देखने को मिले, तो समझना चाहिए कि वह प्रेम नहीं बल्कि लालसा या स्वार्थ था। प्रेम वह शक्ति है जो रिश्तों को मजबूत और स्थायी बनाती है, जबकि लालसा केवल क्षणिक तृष्णा और अस्थिरता लाती है।

लालसा और स्वार्थ से प्रेरित संबंध में व्यक्ति अक्सर खुद के अहंकार और असंतोष के कारण दूसरे पर दबाव डालता है। यह दबाव न केवल रिश्तों को कमजोर करता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक तनाव भी उत्पन्न करता है। इसलिए यदि किसी के प्रति नफ़रत या द्वेष की भावना जागती है, तो यह संकेत है कि यह रिश्ता प्रेम पर आधारित नहीं, बल्कि किसी उद्देश्य, स्वार्थ या लालसा पर आधारित था। प्रेम और द्वेष कभी साथ-साथ नहीं रह सकते, क्योंकि प्रेम में सहानुभूति और स्वार्थहीनता होती है।

सच्चा प्रेम व्यक्ति को दूसरों की कमियों को स्वीकार करना, उनकी गलतियों के बावजूद उन्हें समझना और उन्हें सुधारने का अवसर देना सिखाता है। प्रेम में नियंत्रण की भावना नहीं होती, बल्कि स्वतंत्रता, सम्मान और विश्वास होता है। यदि किसी रिश्ते में झूठ, क्रोध या नफ़रत की उपस्थिति होती है, तो समझना चाहिए कि यह केवल लालसा का प्रतिबिंब है। ऐसे रिश्तों में प्रेम की जगह केवल अपनी इच्छाओं की पूर्ति और स्वार्थ रहता है।

शख्सियत | झूलन गोस्वामी

क्रिकेट की दिग्गज प्रहरी

झूलन गोस्वामी (जन्म 25 नवंबर 1982) एक भारतीय पूर्व क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2002 से 2022 तक भारत की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए खेला। वह दाएं हाथ की मध्यम तेज गेंदबाज और दाएं हाथ की बल्लेबाज के रूप में खेलती थीं। वह अब तक की सबसे तेज महिला गेंदबाजों में से एक हैं और उन्हें इस खेल को खेलने वाली सबसे महान गेंदबाजों में से एक माना जाता है।

गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के चकदाहा कस्बे में एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उन्होंने 15 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया और पहले एक फुटबॉल प्रशंसक थीं। गोस्वामी ने क्रिकेट में रुचि तब लेनी शुरू की जब उन्होंने टीवी पर 1992 का क्रिकेट विश्व कप देखा। 1997 के महिला क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेलिंडा क्लार्क को देखने के बाद उन्होंने इस खेल में और रुचि ली। चूँकि उस समय चकदाहा में क्रिकेट की कोई सुविधा नहीं थी, गोस्वामी क्रिकेट खेलने के लिए कोलकाता गईं।

कोलकाता में अपना प्रशिक्षण समाप्त करने के तुरंत बाद, गोस्वामी को बंगाल महिला क्रिकेट टीम में शामिल कर लिया गया। 19 वर्ष की आयु में, उन्होंने 2002 में चेन्नई में इंग्लैंड के विरुद्ध एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में पदार्पण किया। उनका टेस्ट डेब्यू 14 जनवरी 2002 को लखनऊ में इंग्लैंड के विरुद्ध हुआ। गोस्वामी ने मिताली राज के साथ मिलकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 2006-07 सीज़न में इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट सीरीज़ जीत दिलाई। उसी सीज़न के दौरान, गोस्वामी ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली जीत हासिल करने में मदद की, लीसेस्टर में पहले टेस्ट में नाइटवॉचमैन के रूप में अर्धशतक बनाया और अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ मैच के आंकड़े 10/78 हासिल किए — पहली पारी में 5/33 और दूसरी पारी में 5/45 के साथ — दूसरे टेस्ट में टॉन्टन में। 2007 में झूलन भारत में एफ्रो-एशिया टूर्नामेंट में एशियाई टीम की सदस्य थीं और उन्होंने आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी जीता, जब किसी भी भारतीय पुरुष क्रिकेटर ने व्यक्तिगत आईसीसी वार्षिक पुरस्कार नहीं जीता था।

बाद में 2008 में, उन्होंने मिथाली राज से टीम की कप्तानी संभाली और 2011 तक इसे संभाला। 2008 में, वह महिला एशिया कप में एकदिवसीय मैचों में 100 विकेट तक पहुंचने वाली चौथी महिला बनीं। उन्होंने 25 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की और 2010 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2012 में वह डायना एडुल्जी के बाद पद्म श्री प्राप्त करने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं। उन्होंने 12 मैचों में 44 टेस्ट विकेट लिए हैं। कुल मिलाकर उन्होंने 284 खेलों में 355 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं और तीन अर्धशतकों के साथ 1922 रन बनाए हैं। वह ऑस्ट्रेलियाई कैथरीन फिट्ज़पैट्रिक के 180 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए महिला वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में महिला चतुष्कोणीय श्रृंखला के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। 7 फरवरी 2018 को झूलन एक दिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट तक पहुंचने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं।

जीवन ऊर्जा

साधु वासवानी : जन्म- 18 नवंबर 1879 | देहवसान

खुद को बेहतर बनाओ, पर किसी को छोटा मत समझो

साधू थांवरदास लीलाराम वासवानी (25 नवंबर 1879 – 16 जनवरी 1966), भारत के शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिन्होंने शिक्षा में मीरा आन्दोलन चलाया। उन्होंने पुणे में साधु वासवानी मिशन की स्थापना की। अपने भीतर विकसित होने वाली अध्यात्मिक प्रवृत्तियों को बालक वासवानी ने बचपन में ही पहचान लिया था। वह समस्त संसारिक बंधनों को तोड़ कर भगवत भक्ति में रम जाना चाहते थे परन्तु उनकी माता की इच्छा थी कि उनका बेटा घर गृहस्थी बसा कर परिवार के साथ रहे। अपनी माता के विशेष आग्रह के कारण उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की।

जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल सफलता प्राप्त करना या ऊंचाइयों तक पहुंचना नहीं है, बल्कि उन ऊंचाइयों की राह में अपने चरित्र, व्यवहार और दृष्टिकोण को इतना परिष्कृत करना है कि हम न सिर्फ स्वयं को विकसित करें, बल्कि दूसरों के सम्मान और भावनाओं का भी ध्यान रखें; क्योंकि सच्ची प्रगति वह नहीं जो हमें घमंड से भर दे, बल्कि वह है जो हमें विनम्र बना दे, हमें यह समझ दे कि हम कितने भी बड़े क्यों न हो जाएँ, हर व्यक्ति की अपनी यात्रा, संघर्ष और समय होता है, जिसे तुच्छ समझना हमारी महानता को छोटा करता है; इसलिए खुद को हर दिशा में ऊंचा उठाने का मतलब है—अपनी सीमाओं को तोड़ना, अपनी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें निखारना, अपने सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना, अपनी मानसिक, भावनात्मक और नैतिक शक्ति को मजबूत बनाना, अपने भीतर सीखने,

सुधारने और आगे बढ़ने का साहस विकसित करना, लेकिन इस पूरे सफर में किसी भी क्षण यह भूलना नहीं कि हमें अपनी सफलता का उपयोग दूसरों को नीचे दिखाने, अपमानित करने या उन्हें कमतर महसूस कराने के लिए नहीं करना है, क्योंकि दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति असुरक्षा, ईर्ष्या और अहंकार से जन्म लेती है, न कि वास्तविक श्रेष्ठता से; जो व्यक्ति सच में आत्मविश्वासी और परिपक्व होता है, वह अपनी यात्रा को दूसरों से तुलना करके नहीं परखता, बल्कि अपनी प्रगति को अपने कल से मापता है, वह जानता है कि उसकी उपलब्धियाँ उसकी मेहनत की देन हैं और उसके साथ जुड़े लोग उसकी संवेदनशीलता और विनम्रता की वजह से उसका साथ देते हैं, इसलिए वह कभी किसी को छोटा दिखाने की कोशिश नहीं करता।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

शिव जी ने नटराज रूप क्यों लिया था

कहा जाता है कि बहुत प्राचीन समय की बात है, जब धरती पर तपस्या करने वाले अनेक सिद्ध और साधु अपनी दिव्य शक्तियों से भरकर अत्यंत अहंकारी हो गए थे। वे सोचने लगे कि संसार की व्यवस्था, प्रकृति का संतुलन, और समस्त जीवों का कल्याण केवल उनकी साधना पर टिका है। इस घमंड ने उन्हें इतना अंधा कर दिया कि वे ईश्वर को ही भूल बैठे। उनकी हठधर्मिता बढ़ती गई, और वे मनुष्यों तथा अन्य जीवों को कमजोर, तुच्छ और महत्वहीन समझकर उनका अपमान करने लगे। देवताओं तक ने यह देखा, किंतु कोई भी उनके अहंकार के सामने सीधे हस्तक्षेप करने का साहस नहीं जुटा पाया। यह सब देखकर कैलाश के अधिपति भगवान शिव चिंतित हुए। वे जानते थे कि जब तक अहंकार का नाश न हो, तब तक ज्ञान का उदय संभव नहीं।

इसीलिए उन्होंने संसार को एक गंभीर सीख देने का संकल्प किया। माता पार्वती के साथ मिलकर उन्होंने एक दिव्य योजना बनाई—ऐसी योजना जो साधुओं के घमंड को तोड़ेगी, लेकिन किसी का अनावश्यक विनाश नहीं करेगी। शिव और पार्वती ने भिक्षुक का रूप धारण किया, साधारण वस्त्र धारण किए, और जंगल की ओर चल पड़े जहाँ वे अभिमानी साधु अपने-अपने आश्रमों में निवास करते थे। जब वे वहाँ पहुँचे, तो दृश्य अत्यंत विचित्र था—साधु अपनी सामर्थ्य का प्रदर्शन कर रहे थे, यज्ञ कर रहे थे, और अपनी पत्नियों तथा अनुयायियों पर अधिकार जमाने में मग्न थे।

भगवान शिव और पार्वती की दिव्य आभा इतनी महान थी कि भिक्षुक रूप में भी साधुओं की पत्नियाँ उनसे आकर्षित हुईं। वे उनके सम्मान में उठकर खड़ी हो गईं, जबकि साधु अपनी श्रेष्ठता को चुनौती महसूस करके क्रोधित हो उठे। अज्ञान ने उनके विवेक को पूरी तरह ढक लिया

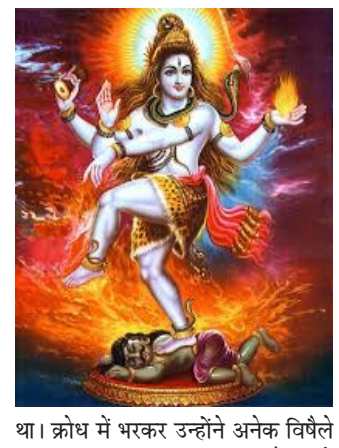

था। क्रोध में भरकर उन्होंने अनेक विषैले एवं भयानक सर्प उत्पन्न किए और उन्हें उस भिक्षुक रूपी शिव पर हमला करने के लिए भेज दिया। किंतु भगवान शिव ने सहज मुस्कान के साथ उन सर्पों को अपने गले में धारण कर लिया, मानो वे पुराने मित्र हों। यह देखकर साधु और भी अधिक हताश और क्रोध से भर गए।

जब सर्पों से भी वे शिव को पराजित न कर सके, तो उन्होंने अपनी सबसे शक्तिशाली सिद्धि का प्रयोग किया—उन्होंने अपस्मार नामक दैत्य को बुलाया। अपस्मार कोई साधारण राक्षस नहीं था; वह चेतना और ज्ञान का शत्रु था। कहा जाता है कि अपस्मार का अस्तित्व ही अज्ञान, भ्रम, अहंकार और मानसिक असंतुलन का प्रतीक था। उसे ब्रह्मा से अमरत्व का वरदान प्राप्त था, जिसके कारण उसमें असीम घमंड भर गया था। वह अपनी शक्ति के दंभ में न केवल ऋषियों को अपमानित करता था, बल्कि देवताओं तक को चुनौती देने में पीछे नहीं हटता था।

अपस्मार ने प्रकट होते ही अपनी उग्र शक्ति का प्रदर्शन किया। उसने शिव-पार्वती पर हमला बोला और अपने मायाजाल से माता पार्वती को अचेत कर दिया। यह दृश्य पूरी सृष्टि के लिए भयानक था। प्रकृति की ऊर्जा असंतुलित होने लगी, और देवताओं के लोक में भी भय का वातावरण फैल गया। यह सब देखकर भगवान शिव का क्रोध प्रज्वलित हो उठा। उनका चेतन तेज उनके भीतर से सूर्य की भांति फूटने लगा और उन्होंने एक ऐसा निर्णय लिया जिसने सृष्टि का रुख ही बदल दिया।

भगवान शिव ने नटराज रूप धारण किया—एक ऐसा दिव्य और ब्रह्मांडीय स्वरूप जिसमें सृष्टि का संपूर्ण रहस्य समाया हुआ है। उनकी जटाओं से गंगा की धाराएँ झरती प्रतीत हुईं, डमरू की ध्वनि से ब्रह्मांड में ऊर्जा तरंगें फैल गईं, और उनका विकराल किंतु सुंदर रूप अपस्मार के लिए मृत्यु समान प्रतीत हुआ। नटराज ने अपने एक पैर से अपस्मार को कुचल दिया और दूसरे पैर को आकाश की ओर उठाकर तांडव आरंभ किया।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

मैं बहुत खुश हूं। मेरे ऊपर प्रभु श्रीराम, हनुमान जी, मां सीता और सरयू माई की कृपा है। जब मैं बीए पार्ट वन का छात्र था तो सीता रसोई देखने जाता था। यदि मुझे न्योता मिला तो सारा काम धाम छोड़कर मैं नंगे पैर ही वहां जाऊंगा।

-अवधेश प्रसाद, सपा सांसद

चुनावों में पैसा बांटने से कल्याण नहीं होता, बल्कि आर्थिक समानता और समान विकास सुनिश्चित करने से होता है। राजनीतिक न्याय के लिए आर्थिक न्याय आवश्यक है।

-मुरली मनोहर जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता

हमारी विचारधारा भले ही मेल नहीं खाती है, लेकिन हम एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब गठबंधन की राजनीति परिपक्व हो गई है और भाजपा इसमें आगे है।

-देवेंद्र फडणवीस, सीएम,महाराष्ट्र

चाहे उपराष्ट्रपति का शपथ ग्रहण हो या स्वतंत्रता दिवस समारोह हो, राहुल गांधी कहीं नहीं जाते। इससे सिर्फ एक ही बात साबित होती है कि राहुल गांधी को देश की संवैधानिक प्रक्रिया पर यकीन नहीं है। इतना ही नहीं, इससे उनकी बाबा आंबेडकर जी के संविधान के प्रति नापसंदगी भी जाहिर होती है।

-सीआर केशवन, भाजपा,राष्ट्रीय प्रवक्ता

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

डॉ. आनंदीबाई जोशी मैटरनिटी हॉस्पिटल के मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट का शिलान्यास

ठाणे। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के निधि से डॉ. आनंदीबाई जोशी मैटरनिटी हॉस्पिटल को अत्याधुनिक 100 बेड वाले मल्टी-स्टोरी हेल्थकेयर सेंटर में बदलने के बड़े प्रोजेक्ट का वर्तकनगर स्थित ब्राह्मण विद्यालय के सामने शिलान्यास हुआ। 22 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे इस 25,242 स्क्वायर फुट के स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कैशलेस हॉस्पिटल में ग्राउंड फ्लोर पर सिटी स्कैन व एक्स-रे, पहली मंज़िल पर सोनोग्राफी व पैथ लैब, दूसरी मंज़िल पर जनरल वार्ड, तीसरी पर मैटरनिटी व एनआईसीयू, चौथी पर आईसीयू व ऑपरेशन थिएटर और पाँचवीं मंज़िल पर नर्सिंग स्टाफ के क्वार्टर सहित सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी। शिलान्यास समारोह में पूर्व महापौर, मनपा अधिकारी, शिवसेना पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लिया।

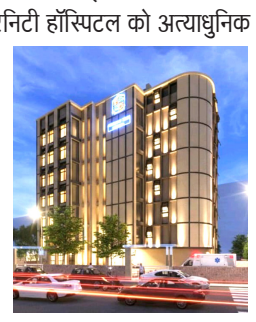

हर महीने की 23 तारीख को श्रमजीवी सेवा दिवस अभियान

उसगाँव। श्रमजीवी संगठन की ओर से ठाणे और पालघर में सेवा दिवस स्वच्छता अभियान अनुशासन और उत्साह के साथ मनाया गया। श्रमजीवी संगठन के संस्थापक विवेक पंडित का जन्मदिन 23 अगस्त को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए, संगठन ने हर महीने की 23 तारीख को सेवा दिवस पर विभिन्न सामाजिक सेवा उपक्रम आयोजित करने की परंपरा शुरू की है। अभियान के तहत ठाणे और पालघर जिलों की जिला परिषद स्कूलों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्राम पंचायत कार्यालयों और सरकारी आश्रमशालाओं में स्वच्छता कार्य किया गया। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं, महिला-पुरुष सदस्यों, बच्चों और युवाओं ने मिलकर गाँव और पाडों में सफाई की। समाजिक ज़िम्मेदारी निभाते हुए, स्वच्छता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से सेवा दिवस का यह अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

वार्षिक खेलकूद दिवस व पुरस्कार वितरण संपन्न

मुंबई। महात्मा फुले एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज विद्यालय (माध्यमिक विभाग) और राजे शिवाजी विद्यालय, धारावी में वार्षिक खेलकूद दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। मशाल जलाकर और खेल पट्टी पर श्रीफल तोड़कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दौड़, रस्साकशी, गोला फेंक, कबड्डी सहित कई खेल आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए क्रिकेट व फुटबॉल प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें 9वीं ने क्रिकेट और 10वीं ने फुटबॉल में जीत दर्ज की। विजेताओं को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पालकों के लिए भी मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए संस्था अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बाबूराव माने ने स्वस्थ जीवन के लिए प्रतिदिन एक घंटे पैदल चलने की सलाह दी। कार्यक्रम में संस्था सचिव दिलीप शिंदे, ट्रस्टी स्वाती होलमुखे और श्रद्धा माने भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे के 11 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

मुंबई सेंट्रल मंडल के 02 कर्मचारियों को मिला महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने मुंबई स्थित मुख्यालय में 11 कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अक्टूबर 2025 के दौरान अपनी ड्यूटी पर असाधारण सतर्कता दिखाते हुए संभावित दुर्घटनाओं को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मानित कर्मचारियों में मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट और भावनगर मंडल के कर्मचारी शामिल थे।

फिटर संजय कुमार की तत्परता से टली बड़ी दुर्घटना

11 अक्टूबर 2025 को जांच के दौरान फिटर संजय कुमार ने एक कंटेनर के ऑटोमैटिक ट्विस्ट लॉक (ATL) में खराबी देखी। उन्होंने तुरंत उस समस्या को ठीक किया, जिससे एक संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सका। उनके त्वरित निर्णय और तकनीकी समझ की प्रशंसा पूरे विभाग में की जा रही है।

दुर्घटनाओं को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

उत्कृष्ट कमिटमेंट पर मिला विशेष अवॉर्ड

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल के दो कर्मचारियों—वसई रोड के फिटर संजय कुमार और कांस्टेबल शैलेश उपाध्याय—को अलग-अलग क्षेत्रों में सेफ्टी सुनिश्चित करने के लिए उनके उच्चस्तरीय समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक ने सभी अवॉर्ड विजेताओं की अलर्टनेस की सराहना करते हुए उन्हें पूरे विभाग के लिए मिसाल बताया।

शैलेश उपाध्याय ने संदिग्ध गतिविधि पर दिखाई सजगता

2 अक्टूबर 2025 को पेट्रोलिंग के दौरान कांस्टेबल शैलेश उपाध्याय ने चार संदिग्ध व्यक्तियों को ट्रैक के पास घूमते देखा। पुलिस स्टाफ को देखकर वे भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन उन्हें पकड़कर पूछताछ के लिए लाया गया। जांच में पता चला कि वे वापी से आए थे और उनके पास महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गैर-कानूनी सामान था।

महापालिका ने शुरू किया हेपेटाइटिस-A का निशुल्क टीकाकरण अभियान

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण पूर्व के नेतिवली स्थित प्रबोधनकार ठाकरे प्राथमिक विद्यालय संख्या 19 में महापालिका के वैद्यकीय एवं स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा महिला व बाल कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से हेपेटाइटिस-A का मुफ्त टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। इस अवसर पर महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल उपस्थित रहे। पहली से आठवीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों को यह टीका मुफ्त दिया जाएगा। आयुक्त गोयल ने शिक्षकों से अपील की कि वे अभिभावकों को टीके के महत्व के बारे में जागरूक करें ताकि बच्चों में यकृत संबंधी रोगों की रोकथाम हो सके। अभियान के दौरान वैद्यकीय स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपा शुक्ल ने बताया कि हेपेटाइटिस-A दूषित पानी और भोजन से फैलने वाला वायरस जनित रोग है, इसलिए बच्चों में स्वच्छता की आदतें विकसित करना आवश्यक है। यह टीकाकरण दो डोज़ में किया जाएगा—पहला डोज़ अभी और दूसरा छह माह बाद। अभिभावकों की सहमति मिलने पर अन्य महापालिका स्कूलों में भी टीकाकरण किया जाएगा।

कलबुर्गी–बेंगलुरु कैंटोनमेंट के बीच वीकेंड स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रेलवे ने यात्रियों की मांग को देखते हुए वीकेंड पर कलबुर्गी और बेंगलुरु कैंटोनमेंट के बीच स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें नवंबर से दिसंबर 2025 तक निर्धारित दिनों में संचालित की जाएँगी, जिससे यात्रियों को यात्रा के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।

ट्रेन शेड्यूल और स्टॉपेज की जानकारी

ट्रेन नंबर 06208 कलबुर्गी–बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्पेशल 23 नवंबर से 28 दिसंबर 2025 तक हर रविवार सुबह 09:35 बजे कलबुर्गी से रवाना होगी और शाम 20:30 बजे बेंगलुरु कैंटोनमेंट पहुँचेगी। वहीं ट्रेन नंबर 06207 बेंगलुरु कैंटोनमेंट–कलबुर्गी स्पेशल 22 नवंबर से 27 दिसंबर तक हर शनिवार शाम 19:20 बजे बेंगलुरु से निकलेगी और अगले दिन सुबह 07:30 बजे कलबुर्गी पहुँचेगी। दोनों ट्रेनों का स्टॉपेज येलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर, गुंटकल, अडोनी, मंत्रालयम रोड, रायचूर, कृष्णा, यादगीर और शाहाबाद स्टेशनों पर रहेगा। ट्रेन में 20 स्लीपर कोच और 2 लगेज-कम-दिव्यांगजन कोच सहित कुल 22 कोच होंगे। इन स्पेशल ट्रेनों के लिए टिकट बुकिंग स्पेशल चार्ज पर शुरू हो चुकी है। यात्री सभी कंप्यूटरीकृत रिज़र्वेशन काउंटरों और IRCTC की वेबसाइट के माध्यम से टिकट बुक कर सकते हैं। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे समय से टिकट बुक कर सफर की योजना बनाएं।

पिंपळनेर के विकास के लिए धन की कमी नहीं होने दूंगा : उपमुख्यमंत्री शिंदे

डीबीडी संवाददाता | धुले

पिंपळनेर नगर परिषद चुनाव के प्रचार सभा को संबोधित करते हुए शिवसेना के मुख्य नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिंपळनेर ग्राम पंचायत को नगर परिषद का दर्जा उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही दिया गया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर विकास विभाग उनके पास है, इसलिए पिंपळनेर के समग्र विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। इस सभा में मंत्री दादाजी भुसे, विधायक मंजुला गावित, तुलशीराम गावित और कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

'आरोपों का जवाब काम से दिया'

शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने कई जनहितकारी योजनाएँ लागू कीं, लेकिन कुछ लोग हर दिन आरोप लगाते रहे। उन्होंने कहा कि जनता अब उन लोगों को सबक सिखाएगी, जिन्होंने वर्षों तक सत्ता को अपने घर तक सीमित रखा। उन्होंने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि शिवसेना ने हमेशा काम के माध्यम से जवाब दिया है और यही उनकी पहचान है।

'कार्यकर्ताओं का चुनाव है, शिवसेना को विजयी बनाना है'

शिंदे ने जनता से अपील की कि पिंपळनेर नगर परिषद बनने के बाद अब इस पर शिवसेना का भगवा झंडा फहराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधायक मंजुला गावित को 1600 करोड़ रुपये की विकास निधि दी गई है, जो इस क्षेत्र के बड़े बदलाव का आधार बनेगी। कि बालासाहेब ठाकरे की सीख—80% समाजसेवा, 20% राजनीति—आज भी उनकी प्राथमिकता है, जबकि विरोधी 100% राजनीति में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में उनका 100% पराजय होना जरूरी है। अतिवृष्टि से परेशान किसानों के लिए महायुती सरकार ने 32,000 करोड़ रुपये का राहत पैकेज घोषित किया है।

रोड निर्माण से लेकर पर्यटन तक-सभी परियोजनाओं को मिलेगी निधि

अपने संबोधन में शिंदे ने कहा कि पिंपळनेर–सटाणा रोड का कंक्रीटीकरण, जल-शुद्धीकरण और पानी सप्लाई परियोजनाएँ, अतिक्रमित घरों को नियमित करने का काम, नमो गार्डन के लिए 2 करोड़ रुपये, पांजरा नदी पर घाट निर्माण, पर्यटन सुविधाओं का विकास, बिजली केंद्र और कुश्ती मैदान—इन सभी के लिए नगर विकास विभाग से पर्याप्त निधि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा, "हम लेने वाले नहीं, देने वाले हैं।" उन्होंने बताया कि नगराध्यक्ष पद के लिए शिवसेना की उम्मीदवार ललिता प्रेमानंद गायकवाड़ समेत सभी 20 सीटों पर शिवसेना के उम्मीदवार मैदान में हैं।

मनमाड़–जलगांव तीसरी रेल लाइन का संचालन शुरू

डीबीडी संवाददाता | जलगांव

मध्य रेलवे ने मनमाड़–जलगांव तीसरी रेल लाइन परियोजना के पूरे 160 किमी खंड को 24 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक शुरू कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस महत्वपूर्ण परियोजना से न सिर्फ मार्ग की वहन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि गति, संपर्क और संचालन दक्षता में भी बड़ा सुधार होगा। पिंपरखेड़–नांदगांव (10.4 किमी) अंतिम खंड के सीआरएस निरीक्षण के दौरान इलेक्ट्रिक लोको द्वारा 131 किमी/घंटा की सफल स्पीड ट्रायल की गई।

मुख्य अभियांत्रिकी सुधार

7×18.3 मीटर कंपोज़िट गर्डर वाले महत्वपूर्ण पुल को तीसरे और भविष्य के चौथे ट्रैक के अनुकूल बनाया गया है, जिससे आगे भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। नांदगांव यार्ड का नया लेआउट EUR, BLC और मालगाड़ियों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाता है। साथ ही नांदगांव UP यार्ड में लागू 10 किमी/घंटा की स्थायी वेग सीमा को हटाकर संचालन क्षमता में तेजी लाई गई है।

परियोजना का विस्तृत अवलोकन और तकनीकी मजबूती

1850 करोड़ लागत वाली इस परियोजना में 1 महत्वपूर्ण पुल, 22 बड़े पुल, 295 छोटे पुल, 7 रोड अंडर ब्रिज, 12 नई स्टेशन इमारतों सहित कई प्रमुख संरचनाएँ शामिल हैं। सिग्नल एवं दूरसंचार कार्यों में 11 नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, 10 इंटरमीडिएट ब्लॉक हट्स और 16 ब्लॉक सेक्शन में BPAC प्रणाली लागू की गई है। पिंपरखेड़–नांदगांव सेक्शन में 01 महत्वपूर्ण, 02 बड़े और 30 छोटे पुलों का निर्माण पूरा किया गया।

राही मासूम रजा के नाटक दास्तानगोई का आज मंचन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

संविधान दिवस के मौके पर, मशहूर लेखक डॉ. राही मासूम रजा के नाटक 'टोपी शुक्ला की दास्तान' का 'दास्तानगोई' शो मंगलवार को मराठी ग्रंथ संग्रहालय, नौपाड़ा, ठाणे (पश्चिम) में बदलाव लाने वाली संस्थाओं की तरफ से आयोजित किया गया है, यह जानकारी आज मजदूर नेता जगदीश खैरालिया और सीनियर पत्रकार अनिल ठाणेकर ने दी है। संविधान दिवस के मौके पर, बंटवारे के विषय पर मशहूर लेखक डॉ. राही मासूम रजा के नाटक 'टोपी शुक्ला की दास्तान' का ₹दास्तानगोई₹ शो, मंगलवार, 25 नवंबर, 2025, शाम 6 बजे, मराठी ग्रंथ संग्रहालय, (शारदा मंदिर), नौपाड़ा, पोंक्षे वॉच कंपनी के पास, ठाणे (पश्चिम) में समता विचार प्रसारक संस्था की तरफ से आयोजित किया गया है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृष भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कर्क परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश में विवेक का प्रयोग करें। धनार्जन होगा।

सिंह कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है।

कन्या विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें। शारीरिक कष्ट के योग हैं। लापरवाही न करें।

वृश्चिक उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। शरीर साथ नहीं देगा।

धनु कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है।

मकर व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

कुंभ किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोमांस के मामले में समय खुशनुमा रहेगा।

मीन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन लग्न में दशम भाव में शनि-बृहस्पति युति : वैदिक ज्योतिषीय विश्लेषण

1. वैदिक ज्योतिष और सूर्य सिद्धांत का आधार

वैदिक ज्योतिष में मिथुन लग्न (तत्त्व–वायु, स्वामी–बुध) की कुण्डली में दशम भाव कर्म, व्यवसाय, यश, कार्यक्षेत्र में उपलब्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा का सूचक है। दशम भाव का स्वामी मीन राशि का बृहस्पति होता है, जो ज्ञान, धर्म, नैतिकता, समृद्धि और गुरु-तत्त्व का कारक है। जब शनि (कर्म, अनुशासन, विलंब, धैर्य) और बृहस्पति (ज्ञान, विस्तार, शुभता) की युति दशम भाव में हो, तो यह एक गहन और बहुस्तरीय योग बनाता है। दोनों ग्रह प्रकृति से विपरीत हैं—एक संकुचनकारी, दूसरा विस्तारकारक—इसलिए इनका प्रभाव अत्यंत मिश्रित और गूढ़ होता है।

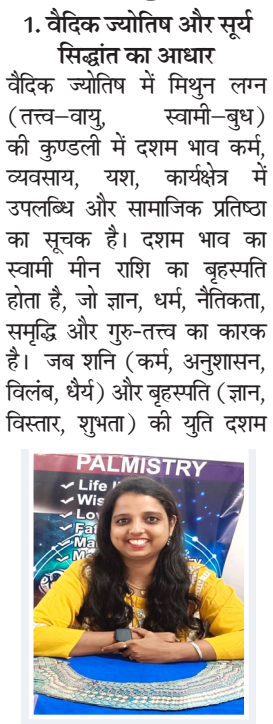

प्रियंका जैन
9769994439

सूर्य सिद्धांत के अनुसार, ग्रहों की स्थिति एवं गति का मानवीय जीवन पर सूक्ष्म प्रभाव पड़ता है। शनि-बृहस्पति की युति का प्रभाव उनकी राशिगत, नक्षत्रगत स्थिति और अंशीय दूरी पर निर्भर करता है।

यदि युति 0–2 के भीतर हो, तो यह अत्यंत प्रभावी (कई बार कष्टकारी) मानी जाती है।

यदि अंतर 5–10 हो, तो प्रभाव संतुलित व मिश्रित हो जाता है। यदि युति मीन राशि (बृहस्पति की स्वराशि) में हो, तो बृहस्पति का प्रभाव प्रबल होता है, किंतु शनि की धीमी प्रकृति विस्तार को नियंत्रित कर देती है। नक्षत्र (जैसे—पूर्वभाद्रपद, उत्तरभाद्रपद, रेवती) भी प्रभाव में विशेष भूमिका निभाते हैं।

2. ज्योतिषीय प्रभाव

(क) कर्म, करियर और व्यवसाय

शनि व्यक्ति में कठोर परिश्रम, समयबद्धता, अनुशासन और दीर्घकालिक लक्ष्य स्थापित करता है। बृहस्पति नीति, ज्ञान, नेतृत्व तथा सद्गुण प्रदान करता है।

इस युति से व्यक्ति निम्न क्षेत्रों में विशेष सफलता प्राप्त कर सकता है—

शिक्षा, अध्यापन, सलाहकारिता, विधि-क्षेत्र, प्रशासन, आध्यात्मिकता, समाज-सुधार, शोध, लेखन, संचार-कार्य।

यदि युति रेवती नक्षत्र में हो, जो बुध से संबंधित है, तो व्यापार, लेखन, भाषण कला, मीडिया, बौद्धिक कार्यों और संचार से जुड़ी गतिविधियों में उत्कृष्ट सफलता मिलती है।

(ख) लाभ बृहस्पति की शुभता दीर्घकालिक, स्थिर और विकासशील लाभ प्रदान करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

आर्केस्ट्रा में विवाद : दुल्हन के भाई की हत्या

सारण। बिहार में सारण जिले के मढ़ौरा थानाक्षेत्र के भावलपुर गांव में एक शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं जब बारात के दौरान हुए एक मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। आर्केस्ट्रा में हुए झगड़े के बाद दुल्हन के भाई की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। घटना देर रात की है जब शादी के जश्न में आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम चल रहा था। मृतक, रिंकु कुमार पिता रामबालक महतो, जिसकी बहन की शादी थी, ने कथित तौर पर आर्केस्ट्रा की नर्तकियों के साथ अश्लील हरकत कर रहे कुछ लोगों को रोका। इसी बात पर उपजा विवाद इतना बढ़ गया कि हमलावरों ने रिंकु कुमार को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों के बीच हंगामा शुरू हो गया घटना की सूचना मिलते ही स्थिति को नियंत्रित करने के लिए ग्रामीण एसपी संजय कुमार, एसडीपीओ नरेश पासवान सहित आसपास के कई थानों की पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस के हस्तक्षेप और समझाने -बुझाने के बाद मामला शांत हुआ और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

राम की नगरी में गूंजने लगी रामधुन

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में होने वाले भगवा ध्वजारोहण से एक दिन पूर्व रामनगरी की फिजाओं में भक्ति रस घोलने के उद्देश्य से नगर निगम अयोध्या ने रविवार से शहरभर में रामधुन का प्रसारण शुरू कर दिया। नगर निगम द्वारा लगाए गए 100 सार्वजनिक संबोधन सिस्टम के माध्यम से लगातार रामभजन गूंज रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन और ध्वजारोहण कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। ध्वजारोहण उत्सव के बाद भी रोजाना सुबह और शाम 5 से 7 बजे तक रामधुन का प्रसारण जारी रहेगा। कार्यक्रम के दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, जोनल अधिकारी अशोक गुप्त, महाप्रबंधक जलकर सौरभ सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अमानीगंज स्थित कंट्रोल रूम में सुबह 10:30 बजे महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बटन दबाकर इस पहल की शुरुआत की।

सिख गुरुओं की शहादत से सुरक्षित बचे देवालय: दत्तात्रेय होसबाले

कानपुर। गुरु तेगबहादुर की 350वीं शहीदी जयंती के अवसर पर सोमवार को कानपुर में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि सिख गुरुओं की अपार त्याग-बलिदान की बदौलत ही आज देश के मंदिर, संस्कृति और धार्मिक पहचान सुरक्षित हैं। मोतीझील लॉन में सिख समुदाय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने मुगल शासन की उन नीतियों को कभी स्वीकार नहीं किया जो राष्ट्र और धर्म के प्रतिकूल थीं। उनकी शहादत केवल इतिहास नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म का पथ प्रदर्शक है। प्रत्येक भारतीय को गुरु तेगबहादुर के बलिदान दिवस पर नतमस्तक होना चाहिए। होसबाले ने कहा कि गुरु परंपरा के अनुयायियों ने देश की आजादी से पहले क्रांतिकारी के रूप में, और आजादी के बाद पुलिस तथा सेना में सेवा करते हुए देश की रक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

सीबीआई का एक्शन

लखनऊ में फर्जी कॉल सेंटर बंद

विदेशी नागरिकों को ठगने का चल रहा था रैकेट,मुख्य आरोपी विकास गिरफ्तार

एजेंसी । लखनऊ

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ में संचालित एक अवैध कॉल सेंटर को बंद कराया है। यह कॉल सेंटर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर ठगी करने में शामिल था। एजेंसी ने इस मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी विकास कुमार निम्मार को भी गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई 24 सितंबर 2024 को दर्ज मामले की जांच के दौरान की गई। इसी मामले में एजेंसी सितंबर 2024 में पुणे, हैदराबाद और विशाखापत्तनम में चल रहे आरोपी से जुड़े चार और फर्जी कॉल सेंटरों को ध्वस्त कर चुकी है। ये सभी वीसी इंफ्रोमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से संचालित होते थे और इनके संचालन की कमान विकास निम्मार के हाथ में थी। मामला दर्ज होने के बाद निम्मार लगातार फरार था, जिसके बाद सीबीआई ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, पुणे की अदालत से उसके खिलाफ वारंट हासिल किया। अंततः उसे 20 नवंबर को लखनऊ स्थित उसके आवास से दबोच लिया गया।

14 लाख नगदी, दस्तावेज बरामद

छापेमारी के दौरान उसके घर से 14 लाख रुपये नकद, कई मोबाइल फोन और साइबर अपराध से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए। तलाशी के दौरान ही सीबीआई को लखनऊ में संचालित उसका एक और अवैध कॉल सेंटर मिला, जिसे मौके पर ही बंद करा दिया गया।

52 लैपटाप और डिजिटल सबूत मिले

इस कॉल सेंटर से 52 लैपटॉप और भारी मात्रा में डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनका उपयोग अमेरिकी नागरिकों को धोखा देने वाले नेटवर्क को चलाने में किया जा रहा था। सीबीआई ने बताया कि इस पूरे साइबर नेटवर्क की परतें उधेड़ने के लिए जांच जारी है।

भदोही की कालीन फैक्ट्री में गैस रिसाव,तीन की मौत

एजेंसी । भदोही

भदोही जिले के औराई क्षेत्र स्थित एक निजी कालीन निर्माण इकाई में सोमवार को जहरीली गैस के रिसाव से बड़ा हादसा हो गया। डाइंग प्लांट में मरम्मत कार्य के दौरान गैस की चपेट में आने से चार कर्मचारी बेहोश हो गए। अस्पताल ले जाने पर तीन मैकेनिकों की मौत हो गई, जबकि एक कर्मचारी का इलाज जारी है और उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, डाइंग प्लांट में तकनीकी खराबी आने पर शितला मिश्र (55) निवासी दयालापुर, शिवम दुबे (32) निवासी सहसेपुर और राजकिशोर तिवारी (52) निवासी मध्य प्रदेश, अपने एक साथी के साथ प्लांट के अंदर उतरे थे। तभी अचानक जहरीली गैस का रिसाव हो गया और चारों कर्मचारी वहां ही बेहोश होकर गिर पड़े। प्लांट से बाहर निकालकर उन्हें निजी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां तीनों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी शैलेश कुमार, एडीएम कुंवर वीरेंद्र कुमार मौर्य, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक और एएसपी शुभम अग्रवाल मौके पर पहुंचे।

श्रम विभाग करेगा रिसाव की जांच

जिलाधिकारी ने बताया कि यह गंभीर लापरवाही का मामला प्रतीत हो रहा है, और प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिल रहा है कि सुरक्षा मानकों का पालन ठीक प्रकार से नहीं किया गया था। गैस रिसाव के कारणों की गहन जांच के लिए श्रम विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है, साथ ही तकनीकी विशेषज्ञों की एक संयुक्त टीम भी गठन की गई है, जो घटनास्थल का विस्तृत निरीक्षण कर संभावित तकनीकी खामियों और मानवीय त्रुटियों का विश्लेषण करेगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे कोई भी हों, क्योंकि ऐसी घटनाएँ न केवल जान-माल की हानि का कारण बनती हैं, बल्कि भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी भी देती हैं।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

एजेंसी । हमीरपुर

जनपद हमीरपुर के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद वाहन चालक युवक और उसकी बाइक को करीब 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। घटना नजरपुर मोड़ के पास हुई। कम दृश्यता के कारण सड़क पर पड़े युवक के शव को कई वाहन चालक देख नहीं सके और उस पर से गुजरते चले गए, जिससे शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्चरी भेजा। बाइक भी क्षतिग्रस्त हालत में सड़क से हटवाई गई। पुलिस ने मृतक की पहचान 32 वर्षीय देवी दयाल निवासी कबरई के रूप में की है। वह बाइक से कानपुर की ओर जा रहा था। घटनास्थल से उसका हेलमेट भी बरामद हुआ, जो दूर छिटका हुआ मिला। थाना प्रभारी अनूप सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आशंका है कि किसी ट्रक ने युवक की बाइक में जोरदार टक्कर मारी है।

धान की भूसी में छिपाई थी एक करोड़ की शराब

एजेंसी । सोनभद्र

सोनभद्र पुलिस ने दुद्धी कोतवाली क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए एक ट्रक से करीब एक करोड़ रुपये की अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से राजस्थान निवासी तस्कर बभूता राम को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि बिहार राज्य मद्य निषेध एवं स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, पटना से सूचना मिली थी कि पंजाब से अंग्रेजी शराब से भरा एक ट्रक राजस्थान नंबर पर चलकर बिहार जा रहा है और फिलहाल सोनभद्र के रेणुकूट से दुद्धी की ओर बढ़ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कादर के पास रेणुकूट–दुद्धी मार्ग पर चेकिंग अभियान शुरू किया।

680 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की गई तो धान की भूसी व लकड़ी के बुरादे के नीचे छिपाई गई 680 पेटियां अंग्रेजी शराब मिलीं। कुल 15,120 बोतलों में पैक इस शराब की मात्रा 6085 .44 लीटर बताई गई है, जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। शराब की खेप को बिहार पहुंचाया जाना था। अंतिम डिलीवरी स्थान की जानकारी आरोपी को फोन पर दी जानी थी। मामले में ट्रक मालिक संजय सिंह देवड़ा को भी मामले में आरोपित बनाया गया है।

वाराणसी के आदित्य सोनी ने साइबर ओलंपियाड में चमकाया नाम

एजेंसी । वाराणसी

काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित मालवीय शिशु विहार के कक्षा तीन के छात्र आदित्य कुमार सोनी ने यूनिफाइड इंटरनेशनल साइबर ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने विद्यालय और परिवार का गौरव बढ़ाया है। 10 सितंबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में आदित्य ने राष्ट्रीय स्तर पर 280वां स्थान हासिल किया, जबकि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड संयुक्त रैंकिंग में वे 7वें स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में शानदार सफलता के लिए आदित्य को 3,996 रुपये का पुरस्कार पैकेज, स्वर्ण पदक और प्रशंसा-पत्र प्रदान किया जाएगा। बीएचयू के सहायक कुलसचिव राज कुमार सोनी के पुत्र आदित्य की इस उपलब्धि पर परिवार में गहरा उत्साह है। आदित्य के पिता ने स्वयं उसे पढ़ाया है और बताते हैं कि वह

पढ़ाई के साथ कंप्यूटर विषय में भी गहरी रुचि रखता है। आदित्य वर्तमान में नेशनल लेवल साइंस टैलेंट सर्च परीक्षा (5 दिसंबर 2025) की तैयारी कर रहे हैं। विद्यालय परिवार ने आदित्य की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि वह मेहनती, अनुशासित और प्रतिभाशाली छात्र हैं। खेलों में भी उनकी गहरी रुचि है और वे आगे चलकर क्रिकेटर बनने का सपना देखते हैं। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि आदित्य जैसे छात्र अपनी मेहनत और लगन से न केवल परिवार का सम्मान बढ़ाते हैं, बल्कि साथ पढ़ने वाले बच्चों के लिए भी प्रेरणा बनते हैं।

हेलीकाप्टर से कीजिए चित्रकूट-मैहर का सफर

एजेंसी । सतना

मध्य प्रदेश में पर्यटन को नए आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने मैहर और चित्रकूट के बीच पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा की शुरुआत कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू हुई यह सेवा प्रदेश में हवाई पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुँच को और आसान बनाएगी। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा संचालित यह हेलीकॉप्टर सेवा आज सोमवार से नियमित तौर पर उड़ान भरेगी। पहली निर्धारित उड़ान मैहर से सुबह 9 बजे और चित्रकूट से सुबह 9:50 बजे रवाना हुई।

साप्ताहिक शेड्यूल और किराया

सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के अनुसार, सेवा सप्ताह में दो दिन—सोमवार और मंगलवार—चलेगी। बताया कि जबलपुर से प्रस्थान सुबह 8 बजे, मैहर आगमन 9 बजे होगा। इसी तरह मैहर से चित्रकूट: 9:10 बजे से 9:40 बजे, चित्रकूट से वापसी: 9:50 बजे से 10:20 बजे और मैहर से जबलपुर वापसी: 10:30 बजे से 11:30 बजे होगी।टिकट बुकिंग के लिए यात्री flyola वेबसाइट और IRCTC Flyola प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं।

व्यापार जगत

सप्ताह की शुरुआत में ही बाजार कमजोर

एजेंसी । नई दिल्ली

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी देखने को मिली। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद बाजार दिनभर दबाव में रहा और अंततः लाल निशान पर बंद हुआ। सोमवार के समापन पर बीएसई सेंसेक्स 331.21 अंक फिसलकर 85,900.71 पर बंद हुआ। यह करीब 0.39% की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, एनएसई निफ्टी भी 108.65 अंक टूटकर 25,959.50 के स्तर पर आ गया, जो 0.42% की गिरावट है। सप्ताह की शुरुआत में बाजार की कमजोरी निवेशकों की सतर्कता और वैश्विक संकेतों के दबाव को दर्शाती है।

सकारात्मक रही शेयर बाजार की शुरुआत

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती कारोबार में दोनों प्रमुख सूचकांक हरे निशान में दिखाई दिए। बीएसई सेंसेक्स 86 .16 अंक (0 .10%) बढ़कर 85,318 .08 पर ट्रेड कर रहा है, जबकि एनएसई निफ्टी 28 अंक (0 .11%) की बढ़त के साथ 26,096 .15 के स्तर पर पहुंच गया।

कनाडा एफटीए वार्ता दोबारा शुरू करने पर सहमत

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और कनाडा ने आपसी व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर रुकी हुई बातचीत फिर शुरू करने पर सहमति जताई है। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में इंडो-कैनेडियन वाणिज्य चैंबर के वार्षिक कार्यक्रम में दी। गोयल के अनुसार, दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर के स्तर तक ले जाने का लक्ष्य साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, न्यूक्लियर तकनीक और सप्लाई चेन डाइवर्सिफिकेशन जैसे क्षेत्रों में कनाडा भारत का स्वाभाविक साझेदार है, जबकि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग और उन्नत डेटा सेंटर ढांचे में मजबूत सहयोग प्रदान कर सकता है।

मजबूत होगा भरोसा : पीयूष गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) दोनों देशों के बीच भरोसे को गहरा करेगा और निवेशकों को स्थिर व पूर्वानुमेय माहौल उपलब्ध कराएगा। उन्होंने जोर दिया कि भारत का विशाल प्रतिभा-कोष और रणनीतिक क्षमता वैश्विक निवेश के लिए आकर्षण का बड़ा स्रोत है। उल्लेखनीय है कि भारत और कनाडा ने मार्च 2022 में ईपीटीए (प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता) पर बातचीत फिर शुरू की थी, और अब तक कई दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। दोनों पक्ष उम्मीद कर रहे हैं कि नई गति से समझौते की दिशा में ठोस प्रगति होगी।

एसएंडपी का भरोसा: मजबूत होगी भारतीय अर्थव्यवस्था

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक संकेत देते हुए कहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश की जीडीपी 6.5% की दर से बढ़ सकती है। एजेंसी ने आगे यह भी अनुमान जताया कि 2026-27 में विकास दर 6.7% तक पहुंच सकती है। सोमवार को जारी अपनी रिपोर्ट 'इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक' में एसएंडपी ने कहा कि आयकर में कटौती, जीएसटी दरों में कमी और मौद्रिक नीति में ढील जैसे कारक घरेलू उपभोग को मजबूती देंगे, जो आने वाले दोनों वर्षों में विकास का मुख्य आधार बनेंगे। एजेंसी का अनुमान है कि अप्रैल–जून 2025 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8% तक पहुंच सकती है, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे तेज होगी।

ब्याज दरों में कटौती से घटेगा भार

रिपोर्ट के अनुसार, मध्यम वर्ग पर कर भार कम होने से उपभोग बढ़ेगा और ब्याज दरों में कटौती से खर्च में और तेजी आएगी। एसएंडपी का मानना है कि इन नीतिगत परिवर्तनों से उपभोग वृद्धि निवेश की तुलना में बड़ा प्रेरक तत्व साबित हो सकती है। उधर, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी चालू वित्त वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था का अनुमान बेहतर बताते हुए 6.8% जीडीपी वृद्धि का अनुमान जता चुका है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5% स्तर से अधिक है। सरकार 28 नवंबर को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) के आधिकारिक जीडीपी आंकड़े जारी करेगी, जिन पर बाजार और विश्लेषकों की नजरें टिकी हैं।

सरकार ने स्टार्टअप्स के लिए योजना शुरू की; आवेदन 30 नवंबर तक

एजेंसी । नई दिल्ली

आज केंद्रीय कॉर्पोरेट मामले मंत्रालय ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक नई वित्तीय सहायता योजना की घोषणा की। इस योजना के तहत छोटे और मध्यम उद्यमों (SMEs) तथा स्टार्टअप्स को प्रारंभिक पूंजी, ब्याज मुक्त ऋण और तकनीकी सलाह देने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्रालय के अनुसार, यह कदम उन स्टार्टअप्स के लिए एक अवसर है जो अपनी व्यावसायिक योजनाओं को तेजी से बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण पीछे रह गए हैं। इस योजना के तहत चयनित स्टार्टअप्स को अधिकतम 50 लाख रुपये तक का वित्तीय सहायता पैकेज दिया जाएगा। साथ ही, उद्योग विशेषज्ञों की मदद से तकनीकी सुधार, विपणन रणनीति और उत्पाद विकास के लिए मेंटरशिप प्रोग्राम भी उपलब्ध कराया जाएगा।

अपोलो का महाराष्ट्र में तीसरा अस्पताल पुणे में शुरू

एजेंसी । पुणे

एशिया का अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता संस्थान, अपोलो हॉस्पिटल्स ने आज पुणे के स्वारगेट में अपने नए हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस अस्पताल की शुरूआत चरणबद्ध रूप से होगी, पहले 250 बेड शुरू होंगे। राज्य के इस क्षेत्र भर में बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को मद्देनज़र रखते हुए, उन्हें पूरा करने के लिए स्वास्थ्य सेवा क्षमता को और बढ़ाना अपोलो हॉस्पिटल्स की योजना है।अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के चेयरमैन डॉ.प्रताप सी रेड्डी ने कहा, अपोलो में, हमारा मिशन है, भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए स्वास्थ्य सेवा में बदलाव लाना। 'हील इन इंडिया-हील बाय इंडिया' विज़न से प्रेरित होकर, हम एक ऐसा स्थान बना रहे हैं जहां दुनिया भर के लोगों को करुणा और सामर्थ्य

के साथ क्लिनिकल उत्कृष्टता मिल रही है। हम चाहते हैं कि, पुणे और भारत के हर घर में स्वास्थ्य और खुशियां बसती रहें। अपोलो हॉस्पिटल्स ने अपने अगले विस्तार के लिए पुणे को चुना क्योंकि उन्होंने जाना कि इस क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतें बदल रही हैं। उन्होंने अपनी विस्तार योजना को इस तरह बनाया है कि वे नई, उन्नत तकनीक का उपयोग करके शहर के अलग-अलग लोगों, समुदायों और संबंधित हितधारकों की बेहतर सेवा कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने संदेसरा भाइयों के खिलाफ आपराधिक केस हटाने पर सहमति जताई

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 1.6 अरब डॉलर के बैंक घोटाले में आरोपी उद्योगपति नितिन और चेतन संदेसरा को बड़ा राहत संकेत दिया है। अदालत ने कहा है कि यदि दोनों भाई बकाया राशि का एक-तिहाई हिस्सा चुका देते हैं, तो उनके खिलाफ लंबित आपराधिक आरोप हटाए जा सकते हैं। यह फैसला मामले में जुड़े अन्य आरोपितों को भी समझौते के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकता है। संदेसरा समूह पर घरेलू बैंकों से लिए

गए भारी कर्ज पर डिफॉल्ट का आरोप है। इसी मामले में फंसने के बाद दोनों भाई 2017 में अल्बानियाई पासपोर्ट के सहारे भारत छोड़कर फरार हो गए थे। फ़ार्मा और ऊर्जा क्षेत्र में सक्रिय इनके कारोबार पर कई वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं, हालांकि वे इन आरोपों से हमेशा इनकार करते रहे हैं। अदालत में सुनवाई के दौरान उनके वकील मुकुल रोहतगी ने बताया कि संदेसरा परिवार 570 मिलियन डॉलर के सेटलमेंट को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने राशि जमा करने के लिए 17 दिसंबर की अंतिम समयसीमा तय की है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आर्थिक अपराधों के मामलों में समझौते की नई मिसाल बन सकता है, जिससे भविष्य में बकाया वसूली की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है।

गुवाहाटी टेस्ट

भारत के लिए आसान नहीं जीतना

- साउथ अफ्रीका के नाम रहा तीसरे दिन का खेल
- भारतीय बल्लेबाजों ने किया निराश

एजेंसी । गुवाहाटी

भारत के लिए साउथ अफ्रीका सीरीज हर दिन के साथ और भी खराब होते जा रही है। कोलकाता में स्पिन से हारने के बाद टीम गुवाहाटी में तेज गेंदबाजी के आगे फेल हो गई। बैटिंग के लिए मददगार पिच पर टीम ने लेफ्ट आर्म पेसर मार्को यानसन को 6 विकेट दिए और 201 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त के बावजूद फॉलो-ऑन नहीं दिया। टीम ने स्टंप्स तक अपनी दूसरी पारी में बगैर नुकसान के 26 रन बना लिए, इस तरह उनकी बढ़त 314 रन की हो चुकी है। 2 दिन का खेल बाकी है और भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। बराबरी के लिए भारत को जीत चाहिए, वहीं साउथ अफ्रीका मैच को ड्रॉ कराकर भी सीरीज जीत जाएगा।

कोलकाता में स्पिन के सामने बिखरे थे

गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में जहां टीम इंडिया ने पेस बॉलिंग को 10 में से 6 विकेट दे दिए। वहीं कोलकाता में टीम स्पिन के आगे बिखर गई थी। भारत के 18 में से 12 विकेट स्पिनर्स के सामने ही गिरे थे। शुभमन गिल इंजरी के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए और दोनों पारियों में आउट नहीं हुए। भारत को कोलकाता टेस्ट में महज 124 रन का टारगेट मिला था, लेकिन टीम 35 ओवर में 93 रन बनाकर सिमट गई।

मार्को यानसन ने बैकफुट पर धकेला

ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत बैटिंग करने आए। यहां साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने तेज गेंदबाज मार्को यानसन को बॉलिंग पर लगा दिया। यानसन ने बाउंसर फेंकने की स्ट्रैटिजी अपनाई और 4 विकेट झटक लिए। पंत 7, रवींद्र जडेजा 6, नीतीश कुमार रेड्डी 10 और जुरेल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए। 4 में से 3 बल्लेबाज शॉर्ट पिच गेंदों पर ही कैच हुए। 95/1 से भारत का स्कोर 122/7 हो गया। यानी टीम महज 27 रन बनाने में 6 विकेट गंवाकर बैकफुट पर चली गई।

सुंदर-कुलदीप ने 200 तक पहुंचाया

नंबर-8 पर उतरे वॉशिंगटन सुंदर और नंबर-9 पर उतरे कुलदीप यादव ने फिर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। दोनों ने 72 रन की पार्टनरशिप की। सुंदर 48 रन बनाकर आउट हुए और दोनों की साझेदारी टूटी। कुलदीप भी 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मार्को यानसन ने आखिर में 2 विकेट लेकर भारत को 201 रन पर समेट दिया। यानसन ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने बैटिंग करते हुए 93 रन भी बनाए थे। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने भी 3 विकेट लिए। वहीं केशव महाराज को 1 विकेट मिला। बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर साउथ अफ्रीका को पहली पारी में 288 रन की बढ़त मिली।

ओपनर्स ने मजबूत शुरुआत दिलाई

बरसापारा स्टेडियम में सोमवार को भारत ने 9/0 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने संभलकर फिफ्टी पार्टनरशिप की और मजबूत नींव रखी। राहुल 22 रन बनाकर केशव महाराज की गेंद पर स्लिप में कैच हुए। पहले विकेट के बाद भी यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन ने टीम को संभाले रखा। यशस्वी ने फिफ्टी लगाई और टीम को 100 रन के करीब पहुंचा दिया। हालांकि, दोनों को साइमन हार्मर ने लगातार ओवरों में कैच करा दिया। भारत ने 96 रन पर 3 विकेट गंवा दिए।

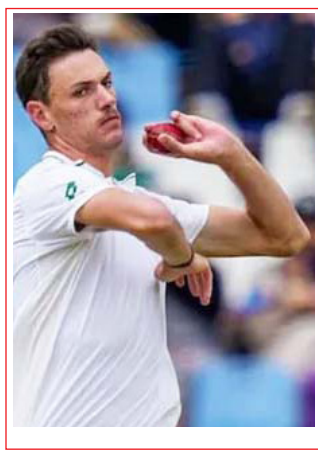

मार्को यानसेन ने रचा इतिहास

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने भारत के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान इतिहास रच दिया। यानसेन दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने जिन्होंने भारत में किसी टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने के बाद छह विकेट भी अपने नाम किए। यानसेन ने पहली पारी में 93 रन बनाए थे और कुल छह विकेट लिए। वह 2000 से भारत में टेस्ट मैच में अर्धशतक और फाइव विकेट हॉल पूरे करने वाले एलीट खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। यानसेन से पहले दक्षिण अफ्रीका के निकी बोजे 2000 में बंगलूरू में 85 रन बनाए थे और पांच विकेट लिए थे। वहीं, वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ने 2008 में हैदराबाद में 52 रन बनाने के अलावा पांच विकेट झटके थे।

चिली रवाना हुई भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम

- कप्तान ज्योति सिंह की अगुवाई में 20 सदस्यीय दल टीम में शामिल

बंगलुरु। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 में हिस्सा लेने के लिए रविवार देर रात सैंटियागो (चिली) के लिए रवाना हो गई। कप्तान ज्योति सिंह की अगुआई में 20 सदस्यीय दल, जिसमें दो स्टैंडबाई खिलाड़ी भी शामिल हैं, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरा। यह प्रतियोगिता 1 से 13 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। टूर्नामेंट में भारत को पूल 'सी' में जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया के साथ जगह मिली है। टीम अपना पहला मुकाबला 1 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी से और 5 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ंत होगी। हर पूल से शीर्ष टीमें नॉकआउट दौर में प्रवेश करेंगी, जिसका आयोजन 7 से 13 दिसंबर के बीच होगा। भारतीय टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन और पदक की उम्मीदों के साथ मैदान में उतरेगी।

टूर्नामेंट के अन्य पूलों में टीमों का विभाजन

पूल 'ए' : नीदरलैंड, जापान, चिली, मलेशिया
पूल 'बी' : अर्जेंटीना, बेल्जियम, जिम्बाब्वे, वेल्स
पूल 'डी' : इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, चीन, ऑस्ट्रिया
पूल 'ई' : ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, कनाडा, स्कॉटलैंड
पूल 'एफ' : अमेरिका, कोरिया, न्यूजीलैंड, उरुग्वे

इटली ने स्पेन को हराकर रचा इतिहास

डेविस कप 2025 के फाइनल में मारा मैदान

बोलोनिया। इटली ने डेविस कप 2025 के फाइनल में स्पेन को 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। बोलोनिया में खेले गए खिताबी मुकाबले में माटेयो बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली के दमदार प्रदर्शन ने देश को लगातार तीसरा डेविस कप दिलाया। यह उपलब्धि हासिल करने वाला इटली 1971 के बाद पहला देश बन गया है।

फाइनल में पहले सिंगल्स मैच में बेरेटिनी ने पाब्लो कारेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद कोबोली ने जाउमे मुन्नार के खिलाफ रोमांचक संघर्ष में 1-6, 7-6(5), 7-5 से जीत दर्ज कर इटली की खिताबी जीत तय कर दी। इस खिताब के साथ इटली अब चार बार डेविस कप चैंपियन बन चुका है—1976, 2023, 2024 और 2025 में। खास बात यह रही कि दोनों टीमों के शीर्ष खिलाड़ी इस फाइनल में नहीं खेले। स्पेन की ओर से कार्लोस अल्कराज और इटली की ओर से यानिक सिनर तथा लोरेंजो मुसेट्टी की अनुपस्थिति के बावजूद इटली के युवा खिलाड़ियों ने खुद को साबित किया।

कोबोली ने की शानदार वापसी

बेरेटिनी ने मैच में 13 ऐस और 21 विनर लगाते हुए अपनी 11वीं लगातार डेविस कप सिंगल्स जीत दर्ज की। वहीं कोबोली ने पहले सेट में करारी हार के बाद शानदार वापसी की और निर्णायक क्षणों में बेहतर खेल दिखाकर मैच और खिताब दोनों अपने नाम किए। जीत के बाद कोबोली ने कहा, "यह रात मेरे सपनों की रात है। मैंने बस दिल से खेला और आज हम विश्व चैंपियन बने।" इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी टीम को बधाई देते हुए कहा कि दृढ़ता और जुनून ने एक बार फिर देश को गौरवान्वित कर दिया है।

सुल्तान अजलान शाह कप 2025

रहील के गोल से भारत की विजयी शुरुआत

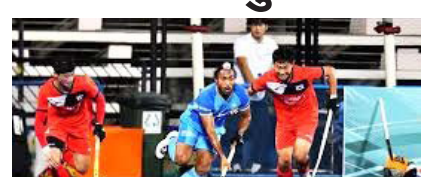

इपोह (मलेशिया)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलान शाह कप 2025 की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने कोरिया को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल मोहम्मद रहील ने पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में (15') दागा, जो अंत तक निर्णायक साबित हुआ। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज़ में की और शुरुआती मिनटों में गेंद पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। इसी दबाव का नतीजा था कि सुखजीत सिंह ने गोलपोस्ट को हिला दिया, हालांकि गेंद जाल में नहीं जा सकी। जल्द ही टीमवर्क से बनाई गई एक बेहतरीन मूव को रहील ने गोल में तब्दील कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

डेफलिंपिक्स: निशानेबाजी में प्रांजली को स्वर्ण

प्रांजी प्रशांत धूमल ने टूर्नामेंट में जीता तीसरा व्यक्तिगत पदक

टोक्यो। टोक्यो में जारी 25वें समर डेफ्लिंपिक्स में भारत की निशानेबाज प्रांजली प्रशांत धूमल ने एक बार फिर तिरंगा बुलंद कर दिया। उन्होंने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपना दूसरा स्वर्ण, बल्कि मौजूदा डेफ्लिंपिक्स का तीसरा व्यक्तिगत पदक हासिल किया।

फाइनल मुकाबले में प्रांजली ने 34 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। यूक्रेन की हलीना मोसीना 32 अंकों के साथ रजत पर रहीं, जबकि कोरिया की जीवॉन जिऑन ने 30 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। शूट-ऑफ में जीवॉन ने भारत की अनुया प्रसाद को मात दी, जिससे अनुया चौथे स्थान पर रहीं।

प्रांजली इससे पहले अभिनव देशवाल के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। अभिनव ने पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी स्वर्ण अपने नाम किया है।

कांटे की टक्कर में मोसीना को हराया

फाइनल में प्रांजली ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहली सीरीज में उन्होंने पांच में से चार निशाने साधे और नौवीं सीरीज तक बढ़त बनाए रखी। इस दौरान उनका स्कोर मोसीना के साथ 30-30 पर बराबर था। निर्णायक 10वीं सीरीज में प्रांजली ने चार सटीक शॉट लगाकर अंतर बना दिया, जबकि मोसीना केवल दो शॉट ही सफलतापूर्वक लगा पाईं। इसी प्रदर्शन ने भारत के लिए स्वर्ण पक्का कर दिया।क्वालिफिकेशन दौर में भी भारतीय निशानेबाजों ने कमाल किया। प्रांजली ने 573-14x का स्कोर बनाकर न केवल फाइनल में शीर्ष स्थान के साथ प्रवेश किया, बल्कि विश्व डेफ क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड और डेफ्लिंपिक्स रिकॉर्ड दोनों तोड़ दिए।

बॉलीवुड

'द राजा साब' से प्रभास का धमाकेदार गाना 'रिबेल' रिलीज

प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द राजा साब' को लेकर दर्शकों में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म मूल रूप से दिसंबर, 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन और रणनीतिक कारणों से मेकर्स ने इसकी तारीख आगे बढ़ा दी। दर्शकों के उत्साह में किसी तरह की कमी न आए, इसलिए निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'रिबेल' रिलीज कर दिया है, जिसने सोशल मीडिया पर रिलीज होते ही तहलका मचा दिया। यह गीत तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में जारी किया गया है और हिंदी वर्जन को सचेत टंडन ने अपनी आवाज दी है। गाने की बीट, विजुअल अपील और प्रभास के जबरदस्त डांस मूव्स ने इसमें जान डाल दी है।

हैदराबाद में हुआ शानदार लॉन्च

'रिबेल' को हैदराबाद के लोकप्रिय विमल 70 एमएम थिएटर में भव्य तरीके से लॉन्च किया गया। लॉन्च इवेंट में दिखाई गई वीडियो में प्रभास रंग-बिरंगे आउटफिट्स में एनर्जेटिक डांस करते नजर आए और इसी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रभास को लंबे समय बाद डांस नंबर में देखना फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं था। प्रशंसकों का कहना है कि यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि प्रभास के पुराने 'डांसिंग स्टार' अवतार की शानदार वापसी है।

लंबे इंतजार के बाद अब 'द राजा साब' 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मेकर्स की मानें तो यह तारीख फिल्म के लिए अधिक रणनीतिक है और इसे एक बड़ी पैन-इंडिया रिलीज दी जाएगी।

'वध 2' ने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में लूटी महफिल

बहुप्रतीक्षित स्पिरिचुअल सीक्वल 'वध 2', जिसमें संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक बार फिर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे, ने 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) 2025 में धमाकेदार शुरुआत की है। फिल्म की स्क्रीनिंग एक खचाखच भरे ऑडिटोरियम में हुई, जहां दर्शकों ने इसे जोरदार तालियों के साथ सराहा। यह प्रतिक्रिया साफ संकेत देती है कि 'वध 2' आगामी वर्ष की सबसे प्रतीक्षित थिएट्रिकल रिलीज में से एक बनने जा रही है। फिल्म 6 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नई और अधिक गहरी कहानी के साथ 'वध 2' हर मामले में पहले भाग से एक कदम आगे महसूस होती है।

रिलीज़ से महीनों पहले आईएफएफआई में इसकी स्क्रीनिंग होना ही यह साबित कर देता है कि निर्माताओं को अपनी फिल्म पर कितना भरोसा है। फिल्म के निर्देशक जसपाल सिंह संधू ने प्रीमियर के बाद मिली प्रतिक्रिया पर खुशी जताते हुए कहा, ₹इस बार का आईएफएफआई प्रीमियर 'वध 2' की पूरी टीम के लिए बेहद यादगार रहा। दर्शकों से मिली गर्मजोशी ने हमारा मनोबल और बढ़ा दिया है। अब हम फिल्म को बड़े पर्दे पर दर्शकों तक पहुंचने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

'वध 2' एक स्पिरिचुअल सीक्वल है, जिसमें भले ही कहानी और किरदार नए हों, लेकिन पहले भाग की मूल भावनाएं और संवेदनाए फिल्म की आत्मा में मौजूद हैं। आईएफएफआई 2025 के गाला प्रीमियर ने अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को इसे सबसे पहले देखने का मौका दिया और प्रतिक्रिया से यह साफ है कि संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक बार फिर अपने शानदार अभिनय से दिल जीतने वाले हैं।

लव फिल्म्स के बैनर तले बनी 'वध 2' को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'इक्कीस' का नया पोस्टर रिलीज

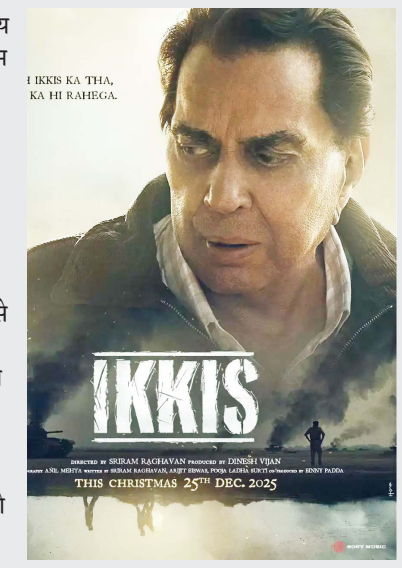

बॉलीवुड अभिनेता अगस्त्य नंदा अपनी दूसरी फिल्म 'इक्कीस' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म को लेकर पहले ही दर्शकों में उत्साह था और अब निर्माताओं ने एक ऐसा सरप्राइज़ पेश किया है, जिसने खासकर धर्मेंद्र के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। लंबे समय से अपने स्वास्थ्य के कारण सुर्खियों में रहने के बाद धर्मेंद्र की आवाज़ के साथ जारी किए गए फिल्म के नए पोस्टर ने सोशल मीडिया पर उमड़ी प्रतिक्रियाओं में एक बार फिर उनके प्रति लोगों के प्यार को उजागर कर दिया है।

पिता बेटे के भावुक रिश्ते की झलक

'इक्कीस' में महानायक अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य 1971 के युद्ध के युवा शहीद अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में उनके पिता की भूमिका दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र निभा रहे हैं, जिनका लुक और आवाज़ दोनों ही पोस्टर के साथ पहली बार सामने आए हैं। पोस्टर में धर्मेंद्र की भारी नम-सी आवाज़ गूंजती है, ₹मेरा बड़ा बेटा अरुण ये हमेशा इक्कीस का ही रहेगा।₹ यह एक ही पंक्ति उस खामोश दर्द, गर्व और बलिदान की गहराई को बखूबी दर्शाती है, जिसे फिल्म सिल्वर स्क्रीन पर जीवंत करने की कोशिश कर रही है। निर्माताओं ने पोस्टर के कैप्शन के साथ लिखा, ₹पिता बेटों का पालन-पोषण करते हैं। महापुरुष राष्ट्र का निर्माण करते हैं। धर्मेंद्र जी एक 21 वर्षीय अमर सैनिक के पिता की भूमिका में एक भावनात्मक शक्ति हैं।

फिल्म 'मैजिकल वॉलेट' का पोस्टर आया सामने

अभिनेता जिमी शेरगिल की आगामी फिल्म 'मैजिकल वॉलेट' की घोषणा के बाद निर्माताओं ने इसका पहला पोस्टर जारी कर दिया है। इस आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में जिमी के साथ संजय मिश्रा और अंचल सिंह अहम किरदार में हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान नितिन एन कुशवाहा ने संभाली है, जो फीचर फिल्म मुजफ्फरनगर (2017) में सहायक निर्देशक रह चुके हैं। वहीं 'मैजिकल वॉलेट' का निर्माण नरेश कुशवाहा ने किया है।

जादुई बटुए के इर्द-गिर्द घूमेगी फिल्म की कहानी

निर्माताओं की तरफ से 'मैजिकल वॉलेट' का पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन दिया गया, 'जल्द ही आ रहा है। बटुआ खुलने पर हकीकत सामने आ जाएगी। पेश है जादुई बटुए की पहली झलक, जहां अराजकता के पास मुद्रा है और नियति के पास बचा छुट्टा।' निर्देशक नितिन के मुताबिक, फिल्म की कहानी जादुई बटुए और पौराणिक कथाओं से जुड़ाव के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म की शूटिंग फरवरी, 2026 से शुरू की जाएगी, जिसके लिए वाराणसी शहर को चुना गया है।

देश की राजधानी से करीब 136 किलोमीटर दूर स्थित हरियाणा के हिसार जिले के छोटे-से गांव पेटवाड़ में एक तपती दोपहर में गेहूं की फसल की मड़ाई चल रही थी। धूप की तपिश में पसीने से तरबतर एक दुबला-पतला किशोर अपने भाइयों के साथ मेहनत करने में मशगूल था। अचानक उसने थ्रेशर मशीन बंद कर दी, आसमान की ओर देखा और बुलंद आवाज में कहा कि मैं अपनी जिंदगी को बदल दूंगा। वह बस मैट्रिक पास एक साधारण-सा लड़का था। उस वक्त किसी को यह अंदाजा नहीं था कि सरकारी स्कूल में बोरी पर बैठने वाला वही तालिब-ए-इल्म, एक दिन अदालती इंसाफ का चेहरा बनकर लोगों को न्याय दिलाने का काम करेगा। उस बच्चे का नाम था सूर्यकांत, जिन्होंने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के तौर पर शपथ ले ली है।

- पहली बार सीजेआई ने हिंदी में शपथ ली
- कई देशों के सर्वोच्च न्यायालय के प्रतिनिधि मौजूद रहे
- 15 माह का होगा उनका कार्यकाल

भारत के 53वें सीजेआई बने जस्टिस सूर्यकांत

एजेंसी | नई दिल्ली

जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (CJI) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग भी शामिल हुए। शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने PM मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व CJI बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी CJI के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान पूर्व CJI गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए छोड़ दी।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड होंगे सीजेआई सूर्यकांत

सीजेआई सूर्यकांत ने बेंच जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर के साथ कोर्ट रूम नंबर 1 में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की। जस्टिस सूर्यकांत अब पांच मेंबर वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड भी होंगे। पांच मेंबर वाला कॉलेजियम जो सुप्रीम कोर्ट के जजों को चुनता है और हाईकोर्ट के जजों के ट्रांसफर पर फैसला करता है, उसमें अब CJI कांत और जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एमएम सुंदरेश शामिल होंगे। तीन सदस्यों वाले कॉलेजियम में, जो हाईकोर्ट के जजों को चुनता है, CJI और जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीवी नागरत्ना सदस्य होंगे। भले ही जस्टिस कांत का CJI के तौर पर लगभग 14 महीने का कार्यकाल है, कॉलेजियम में सिर्फ एक बदलाव होगा, जब जस्टिस माहेश्वरी 28 जून, 2026 को रिटायर होंगे। जस्टिस पीएस नरसिम्हा कॉलेजियम के सदस्य बनेंगे। CJI कांत के रिटायर होने के बाद, जस्टिस जेबी पारदीवाला कॉलेजियम में शामिल होंगे।

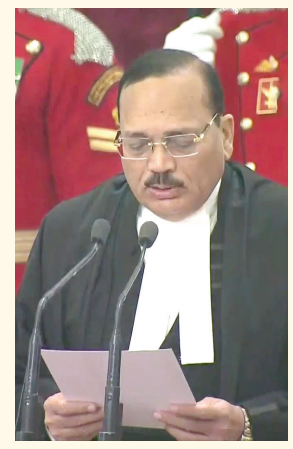

सीजेआई सूर्यकांत का कार्यकाल 14 महीने का होगा

वर्तमान CJI बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवंबर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा।

महत्वपूर्ण मामले

- चुनाव आयोग को बिहार में मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए 65 लाख मतदाताओं का ब्योरा सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था।
- उस संविधान पीठ का भी हिस्सा थे, जिसने अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा था।
- ओआरओपी (वन रैंक वन पेंशन) को सांविधानिक रूप से वैध माना और भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं के लिए समान अवसरों का समर्थन किया।
- जस्टिस कांत उस पीठ का भी हिस्सा थे, जिसने असम से संबंधित नागरिकता के मुद्दों पर धारा 6ए की वैधता को बरकरार रखा था।
- जस्टिस कांत दिल्ली आबकारी शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल को जमानत देने वाली पीठ के सदस्य थे। हालांकि, उन्होंने केजरीवाल की गिरफ्तारी को जायज ठहराया था।

प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

“समारोह के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा— “न्यायमूर्ति सूर्यकांत के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ में शामिल हुआ। उनके सफल और प्रभावी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।” नए मुख्य न्यायाधीश के कार्यभार संभालने के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में न्यायिक सुधारों और प्रक्रियागत पारदर्शिता को लेकर नई अपेक्षाओं की शुरुआत मानी जा रही है।

विवादों में भी रहे

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में रहने के दौरान जस्टिस सूर्यकांत पर गंभीर कदाचार के आरोप लगे थे। 2012 में, एक रियल एस्टेट एजेंट ने उन पर करोड़ों रुपये के लेन-देन में शामिल होने का आरोप लगाया था। 2017 में, पंजाब के एक कैदी ने शिकायत दर्ज कराई और कहा कि जस्टिस कांत ने जमानत देने के लिए रिश्वत ली थी। हालांकि, ये आरोप साबित नहीं हो सके।

किताब भी लिखी

जस्टिस सूर्यकांत पत्रकारिता के पेशे के बेहद मुरीद हैं। वह पत्रकार की तरह ही किसी मामले की तह में जाना पसंद करते हैं। वह खुद को दिल से पत्रकार कहते हैं। इसके अलावा, उन्होंने एडमिनिस्ट्रेटिव जियोग्राफी ऑफ इंडिया शीर्षक से एक किताब भी लिखी है, जो साल 1988 में प्रकाशित हुई।

कवि भी हैं

न्यायमूर्ति सूर्यकांत एक बेहतरीन कवि भी हैं। जब वह कॉलेज में थे, तब उनकी एक कविता, 'मेंढ पर मिट्टी चढ़ा दो' काफी लोकप्रिय हुई थी। पर्यावरण से उन्हें बेहद प्रेम है। गांव में एक तालाब के जीर्णोद्धार के लिए उन्होंने अपनी जेब से दान दिया। उसके चारों ओर उन्होंने पेड़-पौधे भी लगवाए हैं। इसके अलावा, वह खेती के भी शौकीन हैं।

सबसे युवा महाधिवक्ता

जस्टिस कांत महज 38 वर्ष की आयु में सात जुलाई, 2000 को हरियाणा के सबसे कम उम्र के महाधिवक्ता बने। इसके बाद वह वरिष्ठ अधिवक्ता भी नियुक्त हुए और 2004 में उन्हें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। 14 वर्षों से अधिक समय तक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में सेवा देने के बाद, वह अक्तूबर, 2018 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और फिर 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने।

न्यूज़ ब्रीफ

कोलार में भीषण हादसा, चार की मौत

कोलार। कर्नाटक के कोलार जिले के मालुर तालुक में अब्बेनहल्ली के पास रविवार की देर रात हुई एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसा बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे पर उस समय हुआ जब तेज रफ्तार कार का चालक नियंत्रण खो बैठा। उसके बाद कार पहले डिवाइडर से टकराई और उसके फिर पुल से नीचे गिर गई।

मृतकों की पहचान गोपी (38), गौतम रमेश (28), हरिहरन (27) और जयंकर (30) के रूप में हुई है। चारों चेन्नई के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार मानी जा रही है। मलूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

सौराष्ट्र में देर रात आया भूकंप

गांधीनगर। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में 24 नवंबर को तड़के हल्का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.0 मापी गई। यह झटका सुबह 3:06 बजे दर्ज किया गया। गांधीनगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च के अनुसार भूकंप का केंद्रबिंदु तालाला से 15 किलोमीटर उत्तर-उत्तरी पूर्व दिशा में था, जिसका भौगोलिक स्थान 21.188N अक्षांश और 70.546E देशांतर पर दर्ज किया गया। इसके अलावा वलसाड और तापी जिले के व्यारा तालुका के करणजवेल और मीरपुर क्षेत्र में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों ने कंपकंपी महसूस होते ही घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर रुख किया। लोगों में कुछ देर तक दहशत का माहौल रहा। राहत की बात यह रही कि इस भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान या जनहानि की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है।

खाई में गिरी तीर्थयात्रियों से भरी बस

देहरादून। उत्तराखंड के टिहरी जिले में स्थित कुंजापुरी मंदिर के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की एक बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा 24 लोग घायल हुए हैं जिनमे सात लोगों को अस्पतालों में भर्तीकराया गया है। खबर लिखे जाने तक मृतकों की शिनाख्त नही हो सकी थी। आज दोपहर करीब 12 बजे टिहरी नरेंद्रनगर के कुंजापुरी मंदिर में दर्शन के वाद यात्रियों को लेकर लौट रही बस ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर नरेंद्र नगर इलाके में कुंजापुरी-हिंडोलाखाल के पास एक खाई में गिर गई। बताया जा रहा है कि बस में 29 लोग सवार थे इनमें से पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और कई यात्री घायल हुए हैं। एसडीआरएफ के अनुसार तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश और चार घायलों को नरेंद्रनगर अस्पताल भर्ती कराया गया है।

कदयानल्लूर में बसों की भिड़ंत, छह की मौत

एजेंसी | तेनकासी

तमिलनाडु के तेनकासी जिले के कदयानल्लूर इलाके में सोमवार सुबह दो निजी बसों के बीच हुई जोरदार टक्कर में 6 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, हादसा दुरईसामीपुरम के पास उस समय हुआ जब शंकरनकोविल से तेनकासी जा रही बस सामने से आ रही दूसरी निजी बस से टकरा गई। टक्कर इतनी तीव्र थी कि कई यात्री बसों में बुरी तरह फंस गए। घटना की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से तेनकासी सरकारी अस्पताल भेजा गया।

30 से अधिक यात्री घायल, कई की हालत नाजुक

मृतकों में पांच महिलाएं, बढ़ सकती है संख्या

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में पांच महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद ने आशंका जताई है कि गंभीर रूप से घायल यात्रियों के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हादसे के बाद डिप्टी कमिश्नर कमल किशोर और एसपी अरविंद ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। क्षतिग्रस्त बसों को सड़क से हटाने का कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने व्यक्त की संवेदना

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने जिला प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने और राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं।

SIR: 12 राज्यों में 99% गणना प्रपत्र वितरित

- गोवा और लक्षद्वीप सबसे आगे

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision) अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। भारतीय चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि पुनरीक्षण अभियान (SIR) शुरू होने के लगभग 20 दिन बाद 99.07% मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र (Voter Enumeration Forms) का वितरण पूरा हो चुका है। सबसे पहले गोवा और लक्षद्वीप ने 100% प्रपत्र वितरण का लक्ष्य हासिल किया। इसमें अंडमान-निकोबार में 99.98%, मध्य प्रदेश में 99.83%, पश्चिम बंगाल में 99.75% और गुजरात में 99.69% कार्य पूरा हो चुका है। चुनाव आयोग के अनुसार रविवार की तुलना में पश्चिम बंगाल तथा अंडमान-निकोबार के आंकड़ों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।

उत्तर प्रदेश में भी वितरण लगभग पूरा

कुल मतदाताओं की संख्या के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 99.62% गणना प्रपत्र बांटे जा चुके हैं। राज्य में 15.44 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। इसी तरह पुडुचेरी में 95.58%, तमिलनाडु में 96.22%, केरल में 97.33% मतदाताओं तक प्रपत्र बांटा जा चुका है।

ऑनलाइन डिजिटाइजेशन में तेजी

4 नवंबर से जारी इस प्रक्रिया में अब तक 50.97 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 50.50 करोड़ को गणना प्रपत्र मिल चुके हैं। ऑनलाइन अपलोडिंग (डिजिटाइजेशन) भी तेजी से आगे बढ़ रही है। अब तक 24.13 करोड़ से अधिक फॉर्म अपलोड किए जा चुके हैं। कुल डिजिटाइजेशन दर 47.35% है। लक्षद्वीप ऑनलाइन प्रक्रिया में सबसे आगे है, जहां 96.81% फॉर्म अपलोड हुए।

किन राज्यों में चल रही है SIR प्रक्रिया

गहन पुनरीक्षण से जुड़े 12 राज्यों के अलावा केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल हैं, इसमें अंडमान-निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल भी हैं। जहां विस चुनाव नजदीक आ रहा है।

पुनरीक्षण कार्य में केरल सबसे पीछे

इसके बाद गोवा (76.89%) और राजस्थान (72.20%) का स्थान है। वहीं केरल सबसे पीछे है, जहां मात्र 23.72% डिजिटाइजेशन हुआ। उत्तर प्रदेश में यह दर 26.60% रही। चुनाव आयोग ने कहा है कि SIR प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि 2025-26 के चुनाव चक्र से पहले अंतिम सूची उच्च गुणवत्ता के साथ तैयार की जा सके।

माओवादियों ने तीन मुख्यमंत्रियों को लिखा खुला पत्र

हथियार डालना चाहते हैं हम

- स्पेशल जोनल कमेटी ने 15 फरवरी तक का समय मांगा

एजेंसी | जगदलपुर

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सक्रिय माओवादियों की स्पेशल जोनल कमेटी ने तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को खुला पत्र जारी कर हथियार छोड़ने की इच्छा जताई है। पत्र में कहा गया है कि वे लड़ाई रोकने पर सहमत हैं, लेकिन संगठनात्मक प्रक्रियाओं का पालन करने और अपने साथियों तक संदेश पहुंचाने के लिए 15 फरवरी तक समय दिया जाए। यह पत्र खम्मम जिले सहित कई इलाकों में लगाए गए पर्चों के रूप में सामने आया है। हालांकि इस पर अभी

तक किसी भी राज्य सरकार की आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। पत्र को संगठन के प्रवक्ता अनंत के नाम से जारी किया गया है। इसमें माओवादी नेतृत्व—सेंट्रल कमेटी और पोलित ब्यूरो के कई सदस्यों—द्वारा हाल ही में लिए गए संघर्ष विराम के फैसले का समर्थन किया गया है।

यूक्रेन वार रोकने की पहली वार्ता सफलः मार्को रुबियो

जिनेवा। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए आयोजित अमेरिका-यूक्रेन वार्ता ने कूटनीतिक प्रयासों को नई ऊर्जा दी है। अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को कहा कि वार्ता का पहला दौर “सार्थक, सकारात्मक और अब तक का सबसे गंभीर प्रयास” साबित हुआ है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, रुबियो ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 28 सूत्री शांति प्रस्ताव में कई संशोधन किए गए हैं ताकि इसे यूक्रेन और रूस—दोनों के लिए स्वीकार्य बनाया जा सके।

शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय महिला से दुर्व्यवहार

- पासपोर्ट 'अमान्य' बताकर 18 घंटे रोके रखा
- अरुणाचल की रहने वाली हैं भारतीय महिला पेमा

एजेंसी | शंघाई/नई दिल्ली

शंघाई के पुडोंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अरुणाचल प्रदेश में जन्मी भारतीय नागरिक पेमा वांगजॉम थोंगडोक को चीनी आव्रजन अधिकारियों द्वारा रोककर मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। लंदन से जापान जा रही पेमा का तीन घंटे का ट्रांजिट 18 घंटे की परेशानी में बदल गया जब अधिकारियों ने उनके भारतीय

पासपोर्ट को सिर्फ इसलिए “अमान्य” बताया क्योंकि उसमें जन्मस्थान के रूप में अरुणाचल प्रदेश दर्ज था। पेमा ने आरोप लगाया कि आव्रजन कर्मियों ने बार-बार कहा—“अरुणाचल चीन का हिस्सा है”—और उन्हें सुरक्षा जांच के बाद वापस बुलाकर पासपोर्ट जब्त कर लिया। इसके बाद न उन्हें भोजन मिला, न आवश्यक सुविधाएं। यहां तक कि चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के कर्मचारियों ने भी उनका मजाक उड़ाया और “चीनी पासपोर्ट बनवाने” की टिप्पणी तक कर दी।

वैध वीजा के बावजूद रोका गया

वैध वीजा के बावजूद उन्हें जापान की अगली फ्लाइट में बैठने नहीं दिया गया और नया टिकट लेने का दबाव बनाया गया, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। ट्रांजिट क्षेत्र में फंसी होने के कारण वह खाना खरीदने या टर्मिनल बदलने तक में सक्षम नहीं थीं। स्थिति बिगड़ने पर उन्होंने ब्रिटेन स्थित एक मित्र के माध्यम से शंघाई में भारतीय वाणिज्य दूतावास से संपर्क किया। भारतीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद देर रात उन्हें चीन से रवाना कराया गया।

DD IFFIESTA का सफल आयोजन

- गोवा में तीन दिनों तक छाया संगीत और उत्साह

गोवा। गोवा के श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में 22 से 24 नवंबर तक आयोजित DD IFFIESTA का भव्य समापन शानदार ढंग से हुआ। तीन दिनों तक चले इस रंगारंग समारोह ने संगीत प्रेमियों, पर्यटकों और स्थानीय दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में देशभर के अवॉर्ड-विनिंग बैंड्स और लोकप्रिय सेलिब्रिटी गायकों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से मंच पर धमाकेदार माहौल बनाया।

विजेता बैंड्स की ऊर्जा से भरी प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग श्रेणियों में चयनित विजेता बैंड्स ने अपने बेहतरीन संगीत और ऊर्जावान परफॉर्मेंस से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। रॉक, फ्यूज़न, इंडी और फोक संगीत का संगम देखने को मिला, जिसने हर उम्र के दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सेलिब्रिटी सिंगर्स ने बिखेरा जादू

मंच पर कई नामी और लोकप्रिय गायकों ने शानदार लाइव प्रस्तुति दी। दर्शकों ने अपने पसंदीदा कलाकारों को करीब से देखने का मज़ा लिया और उनके गीतों पर देर रात तक थिरकते रहे।

संगीत, मनोरंजन और गोवा की संस्कृति का संगम

स्टेडियम में हर दिन उत्साह का माहौल देखने को मिला। लाइव संगीत के साथ गोवा की संस्कृति, कला और उत्सवी रंगों की झलक ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना

युवा कलाकारों को मिला बड़ा मंच

इस तीन दिवसीय महोत्सव ने उभरते और युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी दिया। कई नए कलाकारों ने पहली बार इतने बड़े मंच पर प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली।

समापन

तीन दिनों का यह अद्भुत संगीत महोत्सव दर्शकों की यादों में लंबे समय तक बसे रहने वाला लगा। DD IFFIESTA ने न केवल संगीत का उत्सव पेश किया, बल्कि युवा प्रतिभाओं को नया मंच देने और गोवा के सांस्कृतिक माहौल को और समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाई। दर्शकों के भारी उत्साह के बीच कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।